दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 136
कोटद्वार मंगलवार
12 सितम्बर 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

सुपर—4 में भारत ने रचा इतिहास ,पाकिस्तान को 229 रन से हराया

कुलदीप यादव ने लिए पांच विकेट

दिल्ली। भारत ने एशिया कप के सुपर–4 में पाकिस्तान को 229 रन से हरा दिया। बारिश से बाधित यह मैच दो दिन में समाप्त हुआ। रविवार (10 सितंबर) को मुकाबला शुरू हुआ, लेकिन बारिश के कारण पूरा नहीं हो सका।

भारत ने खेल रोके जाने तक 24.1 ओवर में 147 रन बनाए थे।

सोमवार को मैच का रिजर्व डे था। भारतीय टीम ने आगे खेलते हुए 50 ओवर में 356 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 32 ओवर में आठ विकेट पर 128 रन ही बना सकी। नसीम शाह और हारिस रऊफ़ चोट के कारण बल्लेबाजी नहीं कर सके। इस तरह टीम इंडिया 229 रन से जीत गई।

प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाना हमारा संस्कार : धामी

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सम्मान में सोमवार को श्री गंगानगर राजस्थान के मानकसर गांव में क्षेत्रवासियों द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु जंभेश्वर भगवान की पुण्यभूमि में आकर वे अविभूत है। उन्होंने कहा कि गुरु जंभेश्वर जी ने जीवन में 29 नियम अपनाने के लिए कहा था। उनके द्वारा दिये गए नियमों को आत्मसात कर आज विश्नोई समाज, वाणी पर संयम रखने के साथ ही अन्य नियमों का पालन कर रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को सूरतगढ़, श्री गंगानगर राजस्थान में सैनिक सम्मान समारोह कार्यक्रम में वीर सैनिकों के परिजनों को सम्मानित करते हुये कहा कि राजस्थान और उत्तराखंड, वीरों एवं बलिदानियों की भूमि है, ये बात हमारे सैनिकों ने अब तक

राज्यस्थान में सीएम पुष्कर सिंह धामी को सम्मानित करते हुए।

हुए सभी युद्धों में सिद्ध की है। हमने हमेशा माना है कि देशभक्ति सभी प्रकार की भक्तियों में सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि वीर सैनिकों एवं उनके परिजनों को सम्मानित कर वे स्वयं को सम्मानित अनुभव कर रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने सैनिक की वीरता तथा उनके परिजनों का संघर्ष भी देखा है। एक सैनिक जीवन में संघर्ष के बावजूद दृढ़ता पूर्वक अपने देश के स्वाभिमान को बचाने के लिए हमेशा तत्पर रहता है।

सैनिकों के प्रति हमारी सरकार का समर्पण किसी से छिपा हुआ नहीं है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजस्थान में वन एवं पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाने वाली अमृता देवी विश्नोई की शहादत को नमन करते हुए कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड जैसे हिमालय क्षेत्र में

राज्यस्थान में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने वीर सैनिकों के परिजनों को किया सम्मानित

वन संरक्षण को लेकर हुए चिपको आंदोलन से तो काफी लोग वाकिफ हैं। परंतु इससे सैकड़ों वर्ष पहले राजस्थान में भी अमृता देवी जी के नेतृत्व मैं चिपको जैसा आंदोलन हो चुका है,जिसमें पेड़ों को बचाने के लिए 363 लोगों ने अमृता देवी जी के नेतृत्व में अपना बलिदान दिया।

इस प्रकार हम पीढ़ियों से पर्यावरण के संरक्षक रहे हैं। प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाना हमारा संस्कार है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पुरखों ने प्रकृति और मानव के सह-अस्तित्व पर एक समृद्ध विचारधारा को पोषित किया और आज सदियों बाद भी, हम उस विचार का, उतनी ही निष्ठा से अनुसरण करते आ रहे हैं। हमारी संस्कृति में वृक्षारोपण और वृक्ष संरक्षण दोनों का ही एक वैभवशाली और अनुसरणीय इतिहास रहा है। अमृता देवी जी और उनके साथियों के बलिदान की गाथा को कोई नहीं भूल सकता। इस महिला सत्याग्रही ने पूरी दुनिया में पर्यावरण संरक्षण और नारी सशक्तिकरण को नए अर्थों में परिभाषित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड और वीरभूमि राजस्थान सांस्कृतिक रूप से एक-दूसरे के पूरक रहे हैं। राजस्थान प्राचीन काल से ही वीर भूमि रही है। यहां के वीरों तथा वीरांगनाओं ने अपना सर कटा दिया पर शत्रुओं के सामने कभी सर नहीं झुकाया। उनका भी राजस्थान की इस महान धरती से गहरा सम्बन्ध है, क्योंकि उनके पूर्वज भी राजस्थान से ही उत्तराखंड में आये थे।

राजस्थान में कांग्रेस को बड़ा झटका, भाजपा में शामिल हुईं नागौर से पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान में नागौर लोकसभा क्षेत्र से पूर्व सांसद एवं दिग्गज कांग्रेस नेता रहे नाथूराम मिर्धा की पोती ज्योति मिर्धा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामा है। मिर्धा राजस्थान भाजपा के अध्यक्ष सी.पी. जोशी की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुईं। इसके बाद उन्होंने यहां भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से यहां मुलाकात की।

ज्योति मिर्धा का भाजपा में शामिल होने को राजस्थान में कांग्रेस के लिए बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। इसकी मुख्य वजह है कि जाट समुदाय में मिर्धा परिवार का दबदबा माना जाता है। राज्य में होने विधानसभा या लोकसभा चुनाव में इस समुदाय की अहम भूमिका रहती है। वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने नागौर लोकसभा सीट से ज्योति मिर्धा को चुनावी मैदान में उतारा था, लेकिन राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के प्रमुख हनुमान बेनीवाल से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था।

उल्लेखनीय है कि श्रीमती मिर्धा नाथूराम मिर्धा की पोती हैं। श्री नाथूराम मिर्धा कांग्रेस के दिग्गज नेता थे। वह छह बार सासंद और चार बार विधायक रहे थे। वह केंद्र सरकार और राज्य सरकार में मंत्री भी रहे थे।

उत्तराखंड के लिए वरदान साबित होगा दिल्ली-देहरादून इकोनामिक कॉरिडोर : महाराज

जयन्त प्रतिनिधि

देहरादून : प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने सोमवार को आशारोड़ी-डाटकाली-दिल्ली-देहरादून निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे (राष्ट्रीय राजमार्ग) का स्थलीय निरीक्षण किया। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि दिल्ली सहारनपुर देहरादून आर्थिक गलियारे के निर्माण से इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, विशेष रूप से उत्तराखंड के पर्यटन उद्योग के लिए यह एक वरदान साबित होगा। इस कॉरिडोर में 5 आरओबी, 110 वाहन अंडर पास, आबादी क्षेत्र में 76 किमी सर्विस रोड तथा 29 किमी एलिवेटेड पोर्शन और 16 एंट्री और एग्जिट पआइंटस हैं।

प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, संस्कृति, धर्मस्व एवं जलागम मंत्री सतपाल महाराज ने सोमवार को दिल्ली-देहरादून इकोनोमिक कारिडोर और टनल का पैदल चलकर स्थलीय निरीक्षण करने के बाद कहा कि यह कारिडोर हमारे लिए एक वरदान है। इसके बनने से हम मात्र ढाई से तीन घंटे में दिल्ली पहुंच जायेंगे। उन्होंने कहा कि इसका निर्माण तेजी से चल रहा है और इसमें जो 3.60 किमी. उत्तराखंड का हिस्सा है उसमें मार्च 2024 तक कार्य पूर्ण हो जायेगा। लोनिवि मंत्री श्री महाराज ने कहा कि दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा दिल्ली में अक्षर धाम मंदिर के पास डी.एम.ई. से प्रारंभ होता है और शास्त्री पार्क, खजूरीखास, मंडोला, खेकड़ा (बागपत) में ईपईई इंटरचेंज के माध्यम से मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग 709 बी पर जाता है। इसके बाद बागपत, शामली, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर जिलों से गुजरने वाला ग्रीनफील्ड राजमार्ग (राष्ट्रीय राजमार्ग-344 जी), सहारनपुर बाईपास पर मिलता है। इसके बाद मौजूदा राष्ट्रीय राजमार्ग 344 और राष्ट्रीय राजमार्ग 307 का अनुसरण करता है जो छुटमलपुर, गणेशपुर, मोहंड, डाट काली देवी स्थित सुरंग से होकर आशारोडी देहरादून पर

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज आशारोड़ी-डाटकाली-दिल्ली-देहरादून निर्माणाधीन एक्सप्रेसवे का स्थलीय निरीक्षण करते हुए।

समाप्त होता है। श्री महाराज ने कहा कि यह संपूर्ण परियोजना ईपीसी मोड पर है कॉरिडोर की कुल लंबाई लगभग 113 किलोमीटर 6 लेन (एक्सेस कंट्रोल) है। इस परियोजना की लागत 11970 करोड़ के लगभग है। इसे न्यूनतम 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति के हिसाब से डिजाइन किया गया है।

लोनिवि मंत्री ने पैदल चलकर किया टनल का निरीक्षण, कहा तेजी हो रहा है काम

वर्तमान में देहरादून से दिल्ली की दूरी 235 किलोमीटर है जो कि इस कॉरिडोर के बनने के बाद घटकर 213 किलोमीटर रह जाएगी। श्री महाराज ने कहा कि गणेशपुर से देहरादून (भाग-4) 20 किमी. भाग वन्यजीव क्षेत्र से गुजर रहा है। जंगली जानवरों की आवाजाही प्रभावित न हो, वह एक से दूसरे जंगल में जा सकें इसके लिए इस भाग में 12 किलोमीटर लंबाई वाला एशिया का सबसे लंबा वन्य जीव गलियारा एवं 1995 करोड़ की लागत की 340 मीटर लंबी सुरंग का निर्माण किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान एनएचएआई परियोजना निदेशक पंकज मौर्य, अभियंता रोहित पंवार, टीम लीडर के.के. जैन, परियोजना प्रबंधक मोहन, परियोजना उपाध्यक्ष अतुल कुमार आदि मौजूद थे।

जम्मू—कश्मीर के बारामूला में बड़ी आतंकी साजिश नाकाम

श्रीनगर, एजेंसी। सुरक्षाबलों ने सोमवार को जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में आतंकी साजिश को नाकाम करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर संदिग्ध विस्फोटक (आईईडी) बरामद किया और उसे निष्क्रिय कर दिया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सुरक्षाबलों को रोड ओपनिंग प्रोसिजर(आरओपी) के दौरान पट्टन के हंजिवेरा इलाके में आईईडी बरामद किया। इसके तुरंत बाद इलाके की घेराबंदी करने के साथ ही राजमार्ग पर यातायात रोक दिया गया।

मौके पर पहुंचे बम निरोधक दस्ते ने आईईडी को बिना किसी नुकसान के नियंत्रित विस्फोट से उड़ा दिया। बाद में राजमार्ग पर यातायात बहाल कर दिया गया। उन्होंने बताया कि आरओपी राष्ट्रीय राजमार्ग को सुरक्षित करने के लिए हर दिन की जाने वाली कवायद है।

अनुराग ठाकुर का राहुल गांधी पर हमला, कहा

वो विदेशी धरती पर भारत की छवि करते हैं खराब

सिवनी, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि सनातन के खिलाफ बोलने वालों के खिलाफ राहुल गांधी ने एक भी शब्द नहीं बोला, इसका मतलब कांग्रेस इन सभी के समर्थन में है। अनुराग ठाकुर मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित जन आशीर्वाद यात्रा के सिलसिले में मध्यप्रदेश के सिवनी आए थे। इस दौरान उन्होंने संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि कांग्रेस सनातन धर्म को गाली देने में सबसे आगे है। कांग्रेस और अन्य दलों ने एक ठगबंधन बनाया हुआ है। ये सब वे ही हैं जो यूपीए के मंच पर थे, बस उन्होंने अपना चोला बदला है, पर इससे कुछ नहीं होगा। ये सिर्फ अब हिंदुओं को अपमानित कर रहे हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेशी धरती पर भारत की छवि खराब करते हैं और देश के अंदर इनके नेता हिंदुओं को अपमानित कर रहे हैं। राहुल गांधी अपने इन नेताओं के खिलाफ एक शब्द नहीं बोले, इसका मतलब कांग्रेस का इन सभी को समर्थन है। इन दलों की रणनीति है कि चुनाव जीतने के लिए हिंदू विरोधियों का इस्तेमाल करो।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकारों ने महाकाल लोक, सोमनाथ, केदारनाथ, काशी विश्वनाथ जैसे मंदिरों का भव्य लोक निर्माण करवाया है। अयोध्या में राम मंदिर भी भाजपा सरकार के समय में ही बन रहा है।

सनसनीखेज खुलासा: दून में तैनात लेफ्टिनेंट कर्नल ने की थी प्रेमिका की हत्या

देहरादून। रायपुर में मिली महिला की लाश का प्रकरण पुलिस ने सुलझा लिया है और इसमें सनसनी खेत खुलासा करते हुए धुन में तैनात सेवा के अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल को गिरफ्तार किया है। मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा हुआ है जिसमें मृतक महिला लेफ्टिनेंट कर्नल पर शादी करने का दबाव डाल रही थी और उसे रास्ते से हटाने के लिए उसकी हत्या कर दी गई।

मालूम हो कि दिनांक 10/09/2023 को ग्राम प्रधान सोडा सरोली प्रवेश कुमेड़ी द्वारा थानाध्यक्ष रायपुर को सूचना दी गयी कि सिरवाल गढ़ में एक महिला का शव संदिग्ध अवस्था मे मिला था। घटनास्थल का निरीक्षण करने पर महिला के माथे व सर पर गम्भीर चोटों का होना पाया गया । पास ही में एक टायलेट क्लीनर की बोतल पडी हुई मिली। आस–पास कोई सीसीटीवी कैमरा का होना नही पाया ।

गठित पुलिस टीम में से प्रथम टीम द्वारा घटनास्थल के आस–पास रहने वाले व्यक्तियों से गहनता से पूछताछ की गयी। द्वितीय टीम द्वारा घटनास्थल को आने व जाने वाले मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को चैक किया गया, तृतीय पुलिस टीम द्वारा मृतका द्वारा पहनी जुडियो ब्रांड की ड्रेस जो नई प्रतीत हो रही थी की जानकारी हेतु जुडियो ब्रांड के शोरूम जाखन व किशननगर चौक जाकर जानकारी प्राप्त की गयी।

चतुर्थ टीम द्वारा मृतिका की शिनाख्त हेतु आवश्यक कार्यवाही की गयी । पुलिस टीम द्वारा जुडियो ब्रांड के शोरूम जाखन व किशननगर से जानकारी हासिल की गयी तो पाया गया कि उक्त

दोनों शोरूम से उक्त आर्टिकल की 08 ड्रेस विक्रय हुई है । जिनके सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी । घटनास्थल से लगभग 300 मीटर की दूरी पर ग्रामीण का आवास होना पाये जाने पर स्पष्ट हुआ कि घटना रात्रि में हुई है ।

घटनास्थल के आस–पास के लोगों से पूछताछ करने पर जानकारी मिली की रात्रि में अंतिम बार 11.00 बजे लगभग ग्रामीण की गाडी अन्दर आयी थी । तब तक घटना का होना प्रकाश में नही आया । पुलिस टीम द्वारा रात्रि 11.00 बजे से प्रातः 04.00 बजे तक महाराणा प्रताप चौक से थानो की ओर जाने वाले व थानो चौक से महाराणा प्रताप चौक की ओर आने वाले लगभग 240 वाहनों को चैक किया गया । पुलिस टीम द्वारा लगातार चैक किये गये वाहनों की आने–जाने के समय की तुलना करने पर 18 वाहनों के समय में संदिग्धता पायी गयी।

18 चौपहिया वाहनों के कडी मेहनत के पश्चात नम्बर व वाहन स्वामियों के पते प्राप्त किये गये तथा उनके पते तस्दीक किये गये । वाहन स्वामियों के नम्बर प्राप्त किये गये । उक्त पतों को तस्दीक करते हुए वाहन सं0: *यू0के0–07–डीएक्स–5881 केआईए* का वाहन स्वामी रामेन्दू उपाध्याय पुत्र श्री वाल्मिकी उपाध्याय निवासी प्रेमनगर पंडितवाड़ी जनपद देहरादून के नाम होना पाया गया जिसकी जानकारी पता करने पर घटना के दौरान वाहन स्वामी का मोबाइल फोन स्विच आफ होना पाया गया तथा घटना के दौरान महाराणा प्रताप चौक से थानो चौक तक पहुंचने में लिये गये समय में लगभग 42 मिनट के अतिरिक्त समय का होना पाया गया।

पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 11.09.2023 की प्रातः वाहन स्वामी रामेन्दू उपाध्याय को उसके घर प्रेमनगर पण्डितवाडी के पास से हिरासत में ले कर पूछताछ की गयी तो रामेन्दू उपाध्याय द्वारा घटना को स्वीकार किया गया, जिससे बरामद मोबाइल फोन में मृतिका के साथ रामेन्दू उपाध्याय की फोटो होना, मृतिका के मोबाइल नम्बर से बात करना पाया गया । रामेन्दू उपाध्याय द्वारा दिनांक 03.09.2023 को जुडियो के शोरूम से मृतिका को ड्रेस दिलाया जाना भी पाया गया।

रामेन्दू उपाध्याय की निशानदेही पर क्लेमनटाउन से घटना में प्रयुक्त कार यू0के0–07–डीएक्स–5881 डक्श कार के अन्दर छुपाकर रखी मृतिका की आईडी, मृतिका के कपडे, घटना के समय रामेन्दू उपाध्याय द्वारा पहने कपडे तथा थानो रोड जंगल से घटना में प्रयुक्त रक्त रंजीत हैमर (हथोडी) बरामद की गयी । अभियुक्त के कपडों, गाडी के अन्दर मृतिका का रक्त लगा हुआ होना पाया गया । मृतिका की शिनाख्त श्रेया उर्फ सुमित्रा पुत्री शिव बहादुर चौक चिसापानी जिला तनहु नेपाल के रूप में हुई । घटना का अनावरण करने वाली पुलिस टीम को श्रीमान पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा 25000 रुपये के नगद पुरुस्कार से पुरुस्कृत करने की घोषणा की गई।

जनता मिलन कार्यक्रम में डीएम ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि।रूद्रप्रयाग : सोमवार को जिलाधिकारी डॉ. सौरभ गहरवार की अध्यक्षता में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए ग्रामीणों द्वारा 21 समस्याएं दर्ज कराई गई, जिसमें सड़क, बिजली, शिक्षा, आवास, मुआवजा आदि से संबंधित शिकायतें दर्ज की गई।

11 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। डीएम ने कहा कि सभी का यह ध्येय होना चाहिए कि जनता के द्वारा जो भी समस्याएं एवं सुझाव प्राप्त होते हैं उन पर समयबद्धता एवं वस्तुस्थिति को ध्यान में रखते हुए नियमानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। जिला कार्यालय सभागार में आयोजित जनता मिलन/जन संवाद कार्यक्रम में नागजगई के ग्रामीणों ने राजकीय इंटर कॉलेज में राजनीति, अर्थशास्त्र, भूगोल व संस्कृत विषय के पद सृजन करने तथा राजकीय उच्चत्तर प्राथमिक विद्यालय में अतिरिक्त शिक्षक की तैनाती की मांग की। तेबड़ी सेम के ग्रामीणों ने अत्यधिक बारिश के कारण सड़क, पुश्ता व पैदल रास्तों के क्षतिग्रस्त होने के साथ ही कुछ परिवारों के आवास को संभावित खतरे की समस्या के बारे में बताया। प्रधान ग्राम क्वांली संजय चैधरी ने गांव की विभिन्न समस्याओं के निस्तारण के संबंध में, ग्राम प्रधान जग्गी बगवान प्रदीप सिंह ने कालीमठ से जग्गी बगवान के किमी. 01 से 02 तक सड़क मानक के अनुरूप न होने तथा गैड़ गांव की प्रधान श्रीमती राजेश्वरी देवी ने सड़क निर्माण में पेड़ों की भरपाई हेतु की गई जमीन की सर्वे को दोबारा करने संबंधी समस्याओं से अवगत कराया। बैरांगणा निवासी जयकृष्ण भट्ट ने गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय भवन मरम्मत करने, छतोड़ा गांव की आरती देवी ने प्रधानमंत्री आवास चाहने, बैड़ाग की जसदेई देवी ने आवासीय भवन के ऊपर से विद्युत लाइन हटाने, सच्चिदानंद नगर निवासी मुकेश गैरोला ने एनएच चैड़ीकरण का भुगतान दिलाने, थलासू निवासी जयेंद्र लाल ने चगटी तोक को मोटर मार्ग से जोड़े जाने, बेडूला निवासी अव्वल सिंह राणा ने लगातार हो रहे भू-स्खलन के संबंधी शिकायतें दर्ज की।

बार एसोसिएशन के महेश परिहार बने अध्यक्ष, दीप निर्विरोध सचिव निर्वाचित

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा ज़िला बार एसोसिएशन अल्मोड़ा के चुनाव 2023–2025 में अध्यक्ष पद पर अधिवक्ता महेश परिहार ने बाज़ी मारी है। सोमवार को हुए मतदान में 259 अधिवक्ताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया। अध्यक्ष पद पर अधिवक्ता महेश परिहार ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी जमन सिंह बिष्ट को 64 मतों से हराया। महेश परिहार को 150 मत मिले, जमन सिंह बिष्ट को 86 मत प्राप्त हुए तो वहीं अध्यक्ष पद के तीसरे प्रत्याशी केवल सती ने 21 मत प्राप्त किए। अध्यक्ष पद पर 02 मत अवैध पाए गए। उपाध्यक्ष पद पर विजयी प्रत्याशी कवीन्द्र पंत ने 130 मत प्राप्त किए, कुंदन सिंह लटवाल ने 96 और दीवान सिंह लटवाल ने 24 मत प्राप्त किए। महिला उपाध्यक्ष पद पर भावना जोशी विजयी रही उनको 156 मत मिले तथा प्रतिद्वंदी अमिता चौधरी को 96 मत मिले।

पीएचसी सेलाकुई में अव्यवस्थाओं पर कांग्रेसियों का प्रदर्शन

विकासनगर। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेलाकुई में चिकित्सक न होने, पैथोलॉजी लैब में मरीजों की जांच न होने, दवाओं की कमी को लेकर आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पीएचसी पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने स्वास्थ्य विभाग, शासन व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर चेतावनी दी कि यदि अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया जाता है तो कांग्रेस व्यापक स्तर पर आंदोलन करेगी। ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष अमित पंवार के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता पीएचसी सेलाकुई पहुंचे। जहां पता चला कि चिकित्सालय की प्रभारी एक माह से छुट्टी पर हैं। जबकि उनकी जगह काम कर रही चिकित्सक भी अस्पताल में मौजूद नहीं मिली। जिस पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने प्रदर्शन कर नारेबाजी की। कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष अमित पंवार ने कहा कि एक ओर पूरे क्षेत्र में डेंगू महामारी का रूप ले चुका है, वहीं सेलाकुई के प्राथमिक अस्पताल में मरीजों को देखने के लिए एक चिकित्सक तक तैनात नहीं है। चिकित्सकों की गैर मौजूदगी में नर्स अस्पताल में डिलीवरी करा रही हैं। साधारण परिस्थितियों में डिलीवरी ने होने पर उन्हें सीएचसी सहसपुर रेफर किया जा रहा है। अस्पताल में दवाइयां और उपकरण नहीं हैं। अमित पंवार ने बताया कि अस्पताल में पांच दिनों से लैब टेक्नीशियन नहीं है, जिससे डेंगू की जांच तक नहीं हो पा रही है। अस्पताल स्टाफ मरीजों की पर्चियां काटकर आयुर्वेदिक के अप्रेंटिस चिकित्सक से जांच करवा रहे हैं। कहा कि नगरीय क्षेत्र होने के साथ साथ सेलाकुई एक औद्योगिक क्षेत्र भी है। जहां उद्योगों में काम करने वाले श्रमिक भी उपचार के लिए आते हैं। कहा कि सेलाकुई की आबादी पचास हजार से अधिक है। जिस पर मात्र एक पीएचसी बनाया गया है। जिसमें चिकित्सक, दवा, उपकरण व स्टाफ तक नहीं हैं।

उत्तरांद केंद्रीय अध्यक्ष की निर्वाचन प्रक्रिया शुरू

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल के महाधिवेशन की तैयारी शुरू हो गई हैं। सोमवार 11 सितंबर से केंद्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गई। पहले दिन पूरण सिंह कठैत ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन किया। उत्तरांद केंद्रीय कार्यालय में कठैत ने नामांकन किया। नामांकन प्रक्रिया 12 सितंबर शाम पांच बजे तक चलेगी। 13 सितंबर को आए हुए आवेदनों की स्क्रूटनी होगी। 14 सितंबर को नाम वापसी होगी।

17 सितंबर को गैरसैंण में द्ववार्षिक महाधिवेशन में अध्यक्ष पद पर चुनाव होगा। केंद्रीय मीडिया प्रभारी सुनील ध्यानी ने बताया कि कठैत पहले संगठन मंत्री, महामंत्री पद पर रह चुके हैं।

अल्मोड़ा में निजी आर्मी कैंटीन की शुरुआत

अल्मोड़ा। नगर के धारानौला स्थित पेट्रोल पम्प के पास सोमवार को बी स्योर सैनिक कैंटीन की शुरुआत हो गई है। कैंटीन का उद्घाटन पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष ललित लटवाल ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैंटीन स्वामी हुकुम सिंह मेहरा ने बताया कि इस कैंटीन से सैनिकों के साथ–साथ आम लोगों को भी सुविधा मिलेगी। पहले कैंटीन के माध्यम से सिर्फ सैनिकों को रियायती दरों पर जरूरत की सामग्री उपलब्ध कराई जाती थी, लेकिन इस कैंटीन में कार्डधारक सैनिकों के अतिरिक्त आम लोगों को भी बाजार मूल्य से कम दामों पर सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि बाजारों में सामान कंपनी से डिस्ट्रीब्यूटर, डिस्ट्रीब्यूटर से रिटेलर और रिटेलर के बाद ग्राहक को दिया जाता था, इस वजह से सामानों के मूल्य पर ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती थी। वहीं इस कैंटीन के माध्यम से कंपनी से सीधा ग्राहक तक सामान पहुँचाया जाएगा। इसमें बिचौलियों का कोई भूमिका ना होने के कारण जरूरत का सभी सामान छूट के साथ उपलब्ध है। यहाँ उद्घाटन कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक प्रमुख सूरज सिराड़ी, पूर्व तहसीलदार प्रयागदत्त सनवाल, एडवोकेट चन्दन सिंह परिहार, गोपाल सिंह चौहान, रूप सिंह बिष्ट, देवाशीष नेगी, जगदीश तिवारी, सुनील कुमार तिवारी, केशर खनी आदि लोग मौजूद रहे।

एक नजर

लूट के मामले में फरार वांरटी अभियुक्त गिरफ्तार

अल्मोड़ा। चौखुटिया पुलिस ने लूट के मामले से सम्बन्धित वांरटी अभियुक्त रामू कट्टा को गिरफ्तार किया है। रामचन्द्र राजगुरु, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा द्वारा जनपद के सभी थाना/चौकी प्रभारियों को न्यायालय से जारी समन, नोटिस एवं वारंट आदि की शत प्रतिशत तामीली करते हुए वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु सख्त निर्देश दिये गये है। सीओ रानीखेत तिलक राम वर्मा के पर्यवेक्षण व थानाध्यक्ष चौखुटिया अवनीश कुमार के नेतृत्व में चौखुटिया पुलिस द्वारा न्यायालय से प्राप्त गिरफ्तारी वारंट धारा–394/411/34 भादवि से सम्बन्धित फरार वांरटी अभियुक्त रमेश जोशी उर्फ रामू कट्टा को चौखुटिया लक्ष्मी होटल के पास से गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही की गई है। यहाँ चौखुटिया पुलिस टीम से अपर उपनिरीक्षक शंकर कुमार, अपर उपनिरीक्षक देवी दत्त पांडे, कांस्टेबल दिनेश चन्द्र पांडे शामिल रहे।

बाजपुर में स्टोन क्रेशर के संचालन पर रोक

नैनीताल। हाईकोर्ट ने बाजपुर के गुलजारपुर में जय स्टोन क्रशर की ओर से खनन के मानकों में बरती जा रही अनियमितताओं के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विपिन सांघी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ ने स्टोन क्रशर के संचालन पर रोक लगाने के साथ डीएम ऊधमसिंह नगर और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है।

कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि स्टोन क्रशर पर पूर्व में एक करोड़ 62 लाख 25 हजार 933 रुपये का जो जुर्माना लगाया था उसे जमा करवाया है या नहीं?

पौधरोपण अभियान चलाया

विकासनगर। क्लीन एंड ग्रीन एनवायरनमेंट सोसायटी ने हीलिंग साथी सेलाकुई में सोमवार को पौधरोपण अभियान चलाया। जिसमें विभिन्न प्रजाति के 70 से अधिक फलदार, छायादार पौधों का रोपण किया गया। सोसायटी के संस्थापक मुग्दा खत्री ने कहा जानवरों को शेल्टर होम में वृक्षों की नितांत आवश्यकता है।

डीएम सोनिका ने ली आयुष्मान भवः अभियान की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक

देहरादून। जनपद में आयोजित होने वाले आयुष्मान भवः अभियान की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी सोनिका ने ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में स्वास्थ्य विभाग एवं रेखीय विभागों के अधिकारियों के साथ कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक ली। 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा पखवाड़े को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने जनपद में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये विस्तृत कार्ययोजना बनाने तथा रोस्टवार कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी एवं उनकी टीम को दिए। उन्होंने सेवा पखवाड़े के अन्तर्गत चिकित्सालयों सहित सार्वजनिक स्थलों पर सफाई व्यवस्था बनाने के भी निर्देश रेखीय विभागों के अधिकारियों को दिए।

जिलाधिकारी ने कार्यक्रम का वृहद्स्तर पर प्रचार–प्रसार किये जाने के निर्देश दिए। साथ ही जिला प्रशासन के सोशल मीडिया अकांउट के माध्यम से भी प्रचार–प्रसार किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम के अन्तर्गत अंगदान महादान कार्यक्रम एवं रक्तदान हेतु स्कूल/कालेज, संस्थान, शासकीय कार्यालयों में प्रचार–प्रसार करने के साथ ही इस पुनित कार्य हेतु इच्छुक लोगों/व्यक्तियों कों पोर्टल पर रजिस्टर्ड भी करें ।ज्ञातव्य है कि आगामी 13 सितम्बर को स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार की महत्वाकांक्षी ह्यआयुष्मान भवःह्न अभियान का विधिवत शुभारंभ की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा किया जाएगा। इसका क्रियान्वयन 17 सितंबर से लेकर गांधी जंयती तक देशभर में किया जाएगा। इसी क्रम में जनपद में इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर जनपद स्तर पर प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।इस महत्वाकांक्षी अभियान में आयुष्मान आपके द्वार कार्यक्रम के तहत सभी लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी बनाई जाएगी, जबकि आयुष्मान हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर व सीएचसी लेवल पर आयुष्मान मेले आयोजित किए जाएंगे।

जेबीआईटी में हुआ 107 यूनिट रक्तदान

विकासनगर। जेबी इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में सोमवार को वीर भूमि विकास संगठन संस्थान की एनएसएस यूनिट और रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, टिहरी सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। शिविर में पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने संबोधित करते हुए सबसे पहले संस्थान के छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, कर्मचारियों को रक्तदान करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। कहा कि आपका दिया हुआ एक–एक यूनिट रक्त किसी का जीवन बचा सकता है। कहा जिस प्रकार से आज डेंगू के मामले बढ़ रहे हैं, इसे देखते हुए अस्पतालों में लगातार खून की कमी बनी हुई है। इसलिए हम सब की जिम्मेदारी है कि हम अधिक से अधिक रक्तदान के लिए आगे। उन्होंने सभी से अंगदान का भी आह्वान किया। कहा कि उन्होंने स्वयं भी अपना अंगदान, देहदान किया हुआ है। कहा जिससे हमारे जाने के बाद हमारा कोई भी अंग किसी के काम आ सकें। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. रावत ने कहा कि जो रक्तदान नहीं कर पाए हैं वह पंजीकरण कर लें, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका ब्लड लिया जा सके।

माकपा ने समस्याओं को लेकर राज्यपाल को भेजा ज्ञापन

विकासनगर। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने लगातार बढ़ रही महंगाई, बेरोजगरी, भर्ती घोटालों और कोर्ट के आदेश की आड़ में अतिक्रमण के नाम पर की जा रही कार्रवाई के खिलाफ तहसील प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में तत्काल महंगाई पर रोक लगाने, भर्ती घोटाला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने और अतिक्रमण के नाम पर की जा रही कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की। माकपा ने राज्यपाल को प्रेषित ज्ञापन में कहा कि बेरोजगारों पर झूठे मुकदमे दर्ज कर फंसाया गया है। वहीं न्यायालय के आदेश की आड़ में ग्राम समाज में वर्षों से रह रहे गरीब परिवारों को बेदखली के नोटिस दिये जा रहे हैं। कहा कि देहरादून जिले में भूमि घोटाले आम बात हो गयी है।

महिला ने ममेरे भाई पर छेड़छाड़ का केस कराया

देहरादून। महिला ने अपने ममेरे भाई पर छेड़छाड़ और मारपीट का आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। महिला ने पुलिस को बताया कि उसके मामा का अपने बेटे के साथ पारिवारिक विवाद चल रहा है। गत 19 अगस्त को वह कोर्ट मे मामा की गवाही के बाद उन्हें दवाई देने के लिए गई थी। इस दौरान महिला के मामा के बेटे ने महिला का हाथ पकड़ लिया और उनके साथ छेड़छाड़ की। युवक ने महिला को धमकाया कि यदि उसने अपने मामा का साथ दिया तो वह उसे जान से मार देगा।

बर्ड वॉचिंग को बनाया जाएगा पर्यटन का एक बड़ा जरिया

देहरादून। गढ़वाल मंडल विकास निगम राज्य में पर्यटन कारोबार को बढ़ावा देने को बर्ड वाचिंग का प्रचार प्रसार करेगा। इसे पर्यटन का एक बड़ा जरिया बनाया जाएगा। इसके जरिए स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा। देश, विदेश के प्रसिद्ध बर्ड वॉचर को राज्य के प्रमुख स्थलों का भ्रमण करा कर प्रचार प्रसार किया जाएगा। पर्यटन कारोबार को विस्तार देने को नई दिल्ली में आयोजित कांफ्रेंस में एमडी जीएमवीएन विनोद गिरी गोस्वामी ने कहा कि प्रदेश में बर्ड वॉचिंग की अपार संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं को अब धरातल पर उतारा जाएगा। देश, विदेश के प्रसिद्ध बर्ड वॉचर को कण्वाश्रम कोटद्वार, खिर्सू पौड़ी, आसन बैराज देहरादून, धनोल्टी, रैथल, बार्सू समेत तमाम दूसरे अन्य अहम स्थानों का भ्रमण कराया जाएगा। ताकि राज्य के इन स्थानों का प्रचार प्रसार हो सके। प्रसिद्ध बर्ड वॉचर इंडिया बर्ड ग्रुप के संस्थापक केबी सिंह ने कहा कि देश, विदेश के बर्डवॉचरों का उत्तराखंड प्रमुख स्थान है। उत्तराखंड को कई कारणों से देश भर में पसंद किया जाता है। उत्तराखंड की विविध जैव विविधता, अनुकूल भौगोलिक परिस्थितियां पर्यटकों को लुभाती हैं। मंदाकिनी नदी के आस पास बर्ड वॉचिंग का हब बनाया जाए। मंदाकिनी नदी किनारे बर्ड वॉचर के लिए रात्रि विश्राम का इंतजाम किया जाए। इससे अन्य ऊंचाई वाले स्थानों पर बर्ड वॉचर दिन में घूम सकते हैं। ऐसा किए जाने पर पर्यटक अल्पाइन बर्ड के साथ ही अन्य प्रजाति के भी पक्षी आसानी से देखे जा सकते हैं।

मुख्य सचिव ने की प्रदेश में जड़ी बूटी, ईको टूरिज्म, हर्बल और एरोमा पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु सम्बन्धित विभागों एवं हितधारकों के साथ बैठक

देहरादून। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने सोमवार को सचिवालय में प्रदेश में जड़ी बूटी, ईको टूरिज्म, हर्बल और एरोमा पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु सम्बन्धित विभागों एवं हितधारकों के साथ बैठक की। मुख्य सचिव ने हितधारकों से वार्ता कर उन्हें इस व्यवसाय में आ रही समस्याओं और सरकार द्वारा दिये जाने वाले सहयोग के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की। कहा कि प्रदेश को प्रकृति ने जड़ी बूटियों से भरपूर वन सम्पदा और इसके उत्पादन के लिए उचित प्राकृतिक वातावरण दिया है, जिसे प्रदेश के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने एवं प्रदेश की आर्थिकी बढ़ाने में उपयोग किया जा सकता है।

मुख्य सचिव ने इसकी पॉलिसी तैयार करते समय सभी हितधारकों के अच्छे सुझावों को शामिल करते हुए एक ऐसी पॉलिसी तैयार किए जाने के निर्देश दिए जिससे एक सकारात्मक माहौल तैयार हो। उन्होंने आमजन में जड़ी बूटियों और औषधीय पादपों के सम्बन्ध में छोटे छोटे वीडियोज के माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। अधिक से अधिक वन मेलों का आयोजन कर अधिक से अधिक जानकारी उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने कहा कि वन पंचायतों में जड़ी बूटी उत्पादन के साथ ही वैल्यू एडीशन एवं अन्य प्रकार के कार्यों के लिए स्थानीय स्वयं सहायता समूहों को भी शामिल किया जाए। उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में टेस्टिंग लैब स्थापित की जाएं। प्रदेशभर में खाली बंजर पड़ी जमीनों में औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा दिया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि जड़ी बूटी, ईको टूरिज्म, हर्बल और एरोमा पर्यटन को बढ़ावा देने, इस क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को शामिल करते हुए शोध एवं विकास की दिशा में भी कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में स्टार्टअप को भी बढ़ावा दिए जाने हेतु व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन मैकेनिज्म तैयार किया जाए। उन्होंने उत्पादन से लेकर मार्केटिंग आदि से सम्बन्धित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को भी तैयार कर सभी को प्रशिक्षित किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ड्रग मैनुफैक्चरिंग लाईसेंस की प्रक्रिया को भी सरलीकृत किया जाए ।

रिखणीखाल ने जीती वालीबाल प्रतियोगिता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गाड़ीघाट स्थित राजकीय स्टेडियम कोटद्वार में शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ हो गया है। इस दौरान वालीबॉल बालिका अंडर-19 प्रतियोगिता में रिखणीखाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिताओं का शुभारंभ पुलिस क्षेत्राधिकारी वैभव सैनी ने ध्वजारोहण कर किया। उन्होंने खिलाड़ियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ना चाहिए। प्रधानाचार्य मुकेश रावत ने बताया कि प्रथम दिन बालिका वर्ग अंडर-19 वालीबाल प्रतियोगिता में रिखणीखाल ने प्रथम व दुगड्डा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग हाकी अंडर-14 में दुगड्डा, जयहरीखाल अंडर-17 में दुगड्डा, जयहरीखाल, अंडर-19 में दुगड्डा व जयहरीखाल प्रथम, द्वितीय रहे।

दुमंजिले भवन के हिस्से में लगी आग, दो मासूमों को बचाया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उमानंद बड़थ्वाल मार्ग स्थित एक भवन के दुमंजिले हिस्से में आग लग गई। आसपास के व्यापारियों ने भवन के भीतर बरामदे में फंसे दो मासूम बच्चों को बाहर निकला। सूचना के बाद मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटनास्थल के आसपास कई भवन व दुकानें आपस में सटी हुई है। ऐसे में बीच बाजार में एक बड़ी घटना होने से बच गई।

◆झंडाचौक के समीप उमानंद बड़थ्वाल मार्ग स्थित भवन में लगी आग
◆कड़ी मशक्कत के बाद भवन में फंसे दो बच्चों को निकाला बाहर

घटना सुबह करीब 11 बजे की है। उमानंद बड़थ्वाल मार्ग में व्यापारियों को एक भवन के दुमंजिले हिस्से से धुंआ निकलता हुआ दिखाई दिया। जैसे ही व्यापारी भवन को जाने वाली सीढ़ी पर चढ़े तो उन्हें बरामदे में दो छोटे बच्चे दिखाई दिए। व्यापारियों ने दोनों बच्चों को बाहर निकाला और सड़क किनारे खड़े पेयजल टैंक की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगे। लेकिन, बरामदे में रखे गत्ते व अन्य कबाड़ ने तेजी से आग पकड़ना शुरू कर दिया। करीब आधे घंटे बाद पहुंची दमकल टीम ने आग पर काबू पाया।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मणि भूषण श्रीवास्तव ने बताया कि भवन के एक कमरे में रिक्शा चालक वीरेंद्र अपनी पत्नी सीमा व दो छोटे बच्चों के साथ रहता है। वीरेंद्र की पत्नी सीमा घरों में साफ-सफाई का काम करती हैं। सोमवार सुबह दोनों दंपत्ति काम पर चले गए थे और घर पर बच्चे अकेले ही थे। बताया कि आग लगने के कारणों का पुख्ता पता नहीं चल पाया है।

कोटद्वार के जयानंद भारतीय मार्ग पर लगी आग पर काबू पाते दमकल कर्मी

अतिक्रमण ने बढ़ाई मुश्किल

सूचना मिलते ही दमकल वाहन झंडाचौक के समीप पहुंच गया था। लेकिन, झंडाचौक से उमानंद बड़थ्वाल मार्ग स्थित घटनास्थल तक पहुंचने में वाहन को कई मिनट लग गए। दरअसल, मार्ग पर कई व्यापारियों ने अपनी दुकानें सड़क तक सजाई हुई है। ऐसे में वाहन को निकलने के लिए पर्याप्त मार्ग नहीं मिल पाया। कड़ी मशक्कत के बाद वाहन मौके पर पहुंचा।

नई शिक्षा नीति से बनेगा बेहतर करियर

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में करियर काउंसलिंग समिति की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान नई शिक्षा नीति के फायदों पर चर्चा की गई।

महाविद्यालय कोटद्वार में करियर काउंसलिंग समिति की बैठक महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. जानकी पंवार की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक का उद्देश्य महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को नई शिक्षा नीति के तहत करियर काउंसलिंग प्रदान करना है। प्राचार्य प्रो. जानकी पंवार ने कहा कि देश की जनसंख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। भारत विश्व में जनसंख्या के क्षेत्र में पहले पायदान पर पहुंच चुका है। जिस कारण देश में गरीबी और बेरोजगारी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। करियर काउंसलिंग सेल का महत्वपूर्ण योगदान हो जाता है कि यहां से छात्र-छात्राओं को सही दिशा में करियर काउंसलिंग की जाए, जिससे विद्यार्थी सरकारी नौकरियों के अतिरिक्त अपने स्वरोजगार करने के लिए प्रेरित हो सके। प्रो. जानकी पंवार ने कहा कि यदि हम उत्तराखंड के परिपेक्ष में बात करें तो उत्तराखंड हिमालय राज्य होने के कारण अनेक किस्म के फल बागवानी के लिए महत्वपूर्ण जलवायु रखता है।

उत्तराखंड हिमालय में सेब बागवानी, मशरूम उत्पादन, जड़ी बूटी उत्पादन, शहद उत्पादन, पर्यटन एवं तीर्थाटन के साथ ही अन्य औद्योगिक क्षेत्र में भी यहां पर रोजगार की भरपूर संभावनाएं हैं। किंतु आवश्यकता इस बात की है कि छात्र-छात्राओं को सही करियर काउंसलिंग मिल सके। इस अवसर पर करियर काउंसलिंग समिति के संयोजक डॉक्टर किशोर चौहान ने कहा कि उत्तराखंड में उक्त सभी क्षेत्र में कार्य करने वाले विशेषज्ञों को महाविद्यालय के छात्रों के लिए काउंसलर के रूप में बुलाया जाएगा, जिसमें वर्कशॉप एवं सेमिनार के माध्यम से छात्र-छात्राओं को डेमोंसट्रेशन देकर के उनको स्वरोजगार के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। करियर काउंसलिंग की सीनियर प्रो. ऋचा जैन, प्रो. वंदना चौहान, प्रो. संतोष कुमार गुप्ता, प्रो. सुरभि मिश्रा आदि मौजूद रहे।

डेंगू से भाजपा नेत्री व नामित पार्षद मालती बिष्ट का निधन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में डेंगू का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा। रविवार देर रात भाजपा नेत्री व नामित पार्षद मालती बिष्ट का निधन हो गया। लगातार प्लेट्सलेट गिरने के बाद उन्हें शहर के निजी अस्पताल से देहरादून के लिए रेफर किया गया था।

सिताबपुर निवासी मालती बिष्ट वर्तमान में नामित पार्षद थी। इससे पूर्व वह प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य के पद पर भी रह चुकी है। दो दिन पूर्व मालती बिष्ट को नगर में एक निजी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया। जहां उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई। बताया जाता है कि उनके शरीर में तेजी से प्लेटलेट्स की कमी हुई, जिसके बाद उन्हें देहरादून रेफर किया गया था। माना जा रहा है कि डेंगू के चलते उनके शरीर में प्लेटलेट्स की कमी हुई व देहरादून में उपचार के दौरान बीती रात उन्होंने दम तोड़ दिया। भाजपा नेताओं के साथ ही पार्षद व अन्य सामाजिक संगठनों ने उनके असामयिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। पार्षद आशा चौहान व कांग्रेस किसान नेता गुड्डू सिंह चौहान ने बताया कि मालती बिष्ट एक समाजसेवी थी। समाज सेवा में दिया गया उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। सोमवार सुबह उनका अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में किया गया, तमाम लोगों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

दैनिक संविदा आउटसोर्स कर्मचारियों ने शुरू किया कार्य बहिष्कार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पांच माह से वेतन नहीं मिलने से आक्रोशित वन विभाग के दैनिक संविदा आउटसोर्स कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया है। आक्रोशित कर्मचारियों ने शासन-प्रशासन से जल्द उनकी समस्या का निराकरण करने की मांग की है। कहा कि वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

सोमवार को कोटद्वार स्थित वन विभाग के स्वागत कक्षा में दैनिक संविदा आउसोर्स कर्मियों ने धरना दिया। धरने में सेंधीखाल, अदनाला रेंज, रथुवाढ़ाब सहित अन्य क्षेत्रों के संविदा कर्मचारी मौजूद रहे। कर्मचारियों ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। लेकिन, विभाग की ओर से उन्हें पांच माह से वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। ऐसे में कर्मचारियों के समक्ष आर्थिक संकट खड़ा होने लगा है। बच्चों की फीस व घर का खर्चा चलाना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी किराए के कमरों में रहने वाले कर्मचारियों को हो रही है। कर्मचारियों ने सरकार से 18 जुलाई के शासनादेश पर भी ठेस निति बनाने की मांग की है। कहा कि कर्मचारियों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर प्रदीप भदूला, सौरभ नौटियाल, हेमंत रावत, दीपक चौधरी, दर्शन लाल, कुलदीप, कालू सिंह, मनोज भारद्वाज, आनंदमणी, बृजमोहन, विकास नेगी आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में कार्बेट टाइगर रिजर्व के स्वागत कक्ष परिसर में प्रदर्शन करते दैनिक संविदा कर्मी

विद्यालय के चौकीदार पर लगाया बच्चे का हाथ फ्रैक्चर करने का आरोप

कोटद्वार : गोविंद नगर निवासी गुलशन भाटिया ने कॉवेंट स्कूल के एक चौकीदार पर उनके तीन वर्षीय बेटे का हाथ फ्रैक्चर करने का आरोप लगाया है। कहा कि जब उन्होंने इस संबंध में विद्यालय प्रबंधक से शिकायत की तो वह उल्टा उनसे ही अभद्रता करने लगे। बच्चे को उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में ले जाना पड़ा। इस संबंध में उन्होंने पुलिस को भी तहरीर दी है।

गुलशन भाटिया ने बताया कि उन्होंने अप्रैल माह में अपने तीन वर्षीय बेटे का प्रवेश कार्वेंट स्कूल में करवाया था। बताया कि सोमवार सुबह वह बच्चे को स्कूल छोड़ने के लिए गए। जैसे ही बच्चे ने विद्यालय के गेट के भीतर प्रवेश किया वह रोने लगा। बताया कि इसी दौरान गेट पर ड्यूटी करने वाला चतुर्थ श्रेणी कर्मी वहां पहुंचा और बच्चे का हाथ पकड़ कर उसे जबरन अंदर खीचने लगा, जिस कारण बच्चे का हाथ फ्रैक्चर हो गया। घटना की शिकायत जब उन्होंने विद्यालय प्रबंधन से की तो उनके साथ अभद्रता की गई। बच्चे को उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार ले जाना पड़ा। कोतवाली प्रभारी मणिभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि दी गई तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

एकतरफा कानूनी कार्रवाई पर भड़की कांग्रेस

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : छात्र संगठनों के बीच हुए विवाद में एकतरफा कर्रवाई किए जाने का कांग्रेस ने विरोध किया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं पर भी मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। कहा कि पुलिस ने मामले में केवल एनएसयूआई के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं पर ही मुकदमा दर्ज किया है। इससे पता चलता है कि पुलिस सत्ता के दबाव में काम कर रही है।

सोमवार को कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने कोतवाली में पहुंचकर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व कौड़िया में छात्र संगठनों के बीच विवाद हुआ था। सत्ता पक्ष के दबाव में एनएसयूआई के छात्रों पर ही मुकदमा दर्ज कर दिया गया।

लेकिन, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के छात्रों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जो कि पुलिस की एक तरफा कार्रवाई को प्रदर्शित करता है। कहा कि पुलिस से जनता को न्याय की उम्मीद होती है। ऐसे में इस तरह का व्यवहार ठीक नहीं है। जबकि, एनएसयूआई के छात्रों ने मारपीट की पहली तहरीर दी थी। कांग्रेस ने पूरे मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। इस मौके पर नगर अध्यक्ष संजय मित्तल, विजय रावत, सुनील दत्त सेमवाल, राकेश शर्मा, जनक भाटिया, सरदार महेंद्र सिंह, रजनीश उप्पल, धीरेंद्र बिष्ट, राजेंद्र असवाल आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में कोतवाली प्रभारी निरीक्षण से वार्ता करते कांग्रेसी

जैविक खेती में उत्तराखंड का नाम फिर रोशन

देहरादून। जैविक कृषि में राज्य के किसानों ने एक बार फिर उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। जैविक कृषि के अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय चतुर्थ अवार्ड में हिमालयी राज्यों की श्रेणी में उत्तराखंड को प्रथम स्थान हासिल हुआ है। राज्य को लगातार चौथी बार यह पुरस्कार मिला है। नैनीताल के धारी ब्लॉक के सुनकिया गांव के किसान हर्ष सिंह डंगवाल को इसी श्रेणी में प्रथम स्थान मिला है। ग्रेटर नोएडा में आयोजित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित कार्यक्रम में जैविक बोर्ड के एमडी विनय कुमार ने राज्य के प्रतिनिधि के रूप में पुरस्कार प्राप्त किया। सोमवार को जैविक बोर्ड अधिकारियों ने पुरस्कार को कृषि मंत्री गणेश जोशी को सौंपा। अपने कैंट रोड स्थित कैंप आफिस में अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए जोशी ने पुरस्कार पाने पर खुशी जताई। कहा कि आज उत्तराखंड के कृषि योग्य क्षेत के 38 फ़ीसदी भाग में जैविक खेती की जा रही है। वर्ष 2025 तक इस 38 प्रतिशत को 50 प्रतिशत तक ले जाया जाएगा।

पूरन सिंह रावत को मिला आचार्य विनोबा भावे स्मृति सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गढ़वाल सर्वोदय मंडल व कण्वाश्रम ग्राम स्वराज्य समिति की ओर से भारत रत्न आचार्य विनोबा भावे की 128वी जयंती मनाई गई। इस दौरान समितियों ने नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष पूरन सिंह रावत को आचार्य विनोबा भावे स्मृति सम्मान दिया।

राजेश्वरी करुणा बोक्षा जनजाति बालिका विद्यालय सर्वोदय चौक हल्दूखाता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता सेनि. डीएफओ धीरजधर बछवाण ने व संचालन गढ़वाल सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष सुरेन्द्र लाल आर्य व शूरबीर खेतवाल ने संयुक्त रूप से किया।

अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर व विनोवा भावे व स्व. सर्वोदय सेवक मानसिंह रावत को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वयोवृद्धा गांधीवादी सर्वोदय सेविका शशिप्रभा रावत ने कहा कि विनोबा भावे गांधी की परम्परा में आते हैं। उनका जीवन अपने आप में त्याग और तपस्या की प्रतिमूर्ति था। कार्यक्रम अध्यक्ष धीरजधर बछवाण ने कहा कि विनोबा भावे के भूदान आंदोलन ने देश के हजारों लोगों को भूमि दिलाकर जीवन का साधन उपलब्ध कराया। मुख्य अतिथि गिरिराज सिंह रावत ने कहा कि एक व्यक्ति से भूमि दान लेकर दूसरे को सौंपना सचमुच चमत्कारी कदम था। शिक्षाविद डॉ. ललन बुडाकोटी ने कहा कि विनोबा के सेवाधर्म का उद्देश्य मानवता की सेवा करना था। कार्यक्रम में बेहतर कार्यों के लिए पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष पूरण सिंह रावत को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर कण्वाश्रम ग्राम स्वराज्य समिति के अध्यक्ष विनय किशोर रावत, साहित्यांचल के संरक्षक चक्रधर शर्मा 'कमलेश', मंजू रावत, शूरबीर खेतवाल, केसी निराला ने आदि ने सभा को संबोधित किया । सभा मे स्नेहदीप रावत, राजेन्द्र प्रसाद पंत, लक्ष्मी देवी, नेत्र सिंह रावत, गीता सिंह, प्रशांत चौधरी, जौनी, अनिल कुमार, शिवकुमार दीपक कुकरेती, राजेंद्र सिंह नेगी, इंदु डबराल, कंचन आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व पालिकाध्यक्ष पूरन सिंह रावत को सम्मानित करते समिति सदस्य

सचिवालय संघ ने भी की पुरानी पेंशन की मांग

देहरादून। उत्तराखंड सचिवालय संघ ने सभी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन क लाभ देने की मांग की। सभी कर्मचारियों से एक अक्तूबर के दिल्ली कूच में शामिल होने का आह्वान किया। अध्यक्ष सुनील लखेड़ा और महासचिव राकेश जोशी ने सभी पदाधिकारियों और सचिवालय संघ के सदस्यों से पुरानी पेंशन बहाली को लेकर एकजुट होने पर जोर दिया। कहा कि अक्तूबर 2005 के बाद सचिवालय में ज्वाइन करने वाले कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इससे कर्मचारियों को बड़ा वित्तीय नुकसान हो रहा है।

जनसुनवाई में 97 शिकायतें हुई प्राप्त

देहरादून। जिलाधिकारी सोनिका की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में आज 97 शिकायतें प्राप्त हुई, प्राप्त शिकायतों पारिवारिक मामले तथा वरिष्ठ नागरिकों के भरणपोषण आदि से सम्बन्धित प्रकरण प्राप्त हुए। इसके अतिरिक्त भूमि विवाद, भूमि सीमांकन, अतिक्रमण, सरकारी धन का दुरूपयोग आदि से सम्बन्धित शिकायतें प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वरिष्ठ नागरिकों से सम्बन्धित प्रकरणों पर यथाशीघ्र कार्यवाही करते हुए निस्तारण करें इसके लिए उप जिलाधिकारी सदर एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर को आवश्यक दिशा–निर्देश देते हुए यथा शीघ्र निस्तारण करने को कहा। साथ ही उप अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि सम्बन्धी शिकायतों पर मौके पर जाकर जांच कराते हुए नियमानुसार कार्यवाही करें।

जिलाधिकारी ने कारगीग्रान्ट एवं चांचक में भू–माफियाओं द्वारा नाले को पाटकर किये जा रहे अतिक्रमण की शिकायत पर तहसीलदार सदर को मौका मुआवना करते हुए कार्यवाही के निर्देश दिए। डिफेंस कालोनी में लोनिवि की सड़क/भूमि पर किये जा रहे अतिक्रमण की शिकायत पर लोनिवि के अधिकारियों को कार्यवाही करते हुए आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। डांडा लखौण्ड में भू–माफियाओं द्वारा किये जा रहे अतिक्रमण पर क्षेत्रीय निवासियों द्वारा शिकायत की गई,

शहीद वन कर्मियों को दी श्रद्धाजंली

देहरादून। प्रमुख वन संरक्षक अनूप मलिक की अध्यक्षता में अखिल भारतीय वन शहीदी दिवस के मौके पर अंसारी रोड स्थित वन शहीदी स्मारक स्थल पर शहीद वन कर्मियों को श्रद्धांजली देकर याद किया गया।सबसे पहले शहीद वन कर्मियों की याद में वन परिवार के सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखा।

प्रमुख वन संरक्षक अनूप मलिक ने वानिकी, वन्य जीव संरक्षण, वनाग्नि नियंत्रण में प्राणों का बलिदान देने वाले वन शहीदों को याद करते हुए विचार रखे। मौजूद वन बीट अधिकारी संघ के आशीष चौहान व सहायक वन कर्मचारी संगठन अध्यक्ष स्वरुप चंद रमोला ने वन कर्मियों के हितों के लिए कई सालों से उठाई जा रही मांगों पर प्रमुख वन संरक्षक का ध्यान आकृष्ट किया। जिसमें वन शहीदों को 15 लाख का मुआवजा, हितकारी फंड की स्थापना, आवासीय भत्ता, गस्त के दौरान फील्ड कर्मचारियों की आत्म सुरक्षा के लिए आग्नेय अस्त्र का प्रयोग, एक माह का अतिरिक्त भत्ता आदि पर जोर दिया गया। मौके पर सहायक कर्मचारी संघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष राम भरोसा, प्रचार मंत्री अखिलेश कुमार, अनिल देवलाल, उपाध्यक्ष देहरादून वन प्रभाग बलवंत सिंह जंगपांगी, प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश कुमार, मंत्री शिवालिक वृत हेमंत भारती, अशोक कुमार, प्रियंका मधवाल, अमृता डोभाल आदि मौजूद रहे।

बैजनाथ थानाध्यक्ष के खिलाफ धरने में बैठे पचना के ग्रामीण

बागेश्वर। बैजनाथ के थानाध्यक्ष की भूमिका पर सवाल उठाते हुए गरुड़ तहसील के पचना गांव के निवासियों ने एसपी कार्यालय पर धरना दिया। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए बागेश्वर पुलिस या अन्य थाने की पुलिस से जांच कराने की मांग की है। ग्राम प्रधान प्रकाश कोहली के नेतृत्व में सभी ग्रामीण सोमवार को एसपी कार्यालय पहुंचे। यहां नारेबाजी के साथ धरने में बैठ गए। यहां हुई सभा में सभी ने बैजनाथ की भूमिका पर सवाल उठाए। इस आशय का एक ज्ञापन पुलिस अधीक्षक को सौंपा। ज्ञापन में ग्राम प्रधान व ग्रामीणों का कहना है कि गत वर्ष सात सितंबर को उनके गांव में एसपीसी के तहत सीसी मार्ग व नाली निर्माण कार्य हुआ। इस निर्माण को उमा व उसके पति रमेश सिंह ने दस मीटर पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। जिसकी सूचना उन्होंने हेल्पलाइन 112 को उसी समय दे दी। यह योजना ग्राम पंचायत की खुली बैठक में सर्वसम्मति से पास भी है। जहां निर्माण हुआ वह भूमि महिला की भी नहीं है। सूचना के बाद थानाध्यक्ष बैजनाथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बगैर राजस्व के अभिलेख देखे उनके साथ अभद्रता की। इससे पहले भी उन्होंने थाने में एक मारपीट के मामले की शिकायत की थी। उस पर भी आज तक कोई कार्रवाई पुलिस ने नहीं की।

टेंडर प्रक्रिया में फर्जीवाड़े का आरोप

चम्पावत। भाजपा एससी मोर्चा के जिला महामंत्री सूरज प्रहरी ने नगरपालिका के टेंडर प्रक्रिया में फर्जीवाड़े का आरोप लगाया है। उन्होंने डीएम नवनीत पांडेय को ज्ञापन देकर फर्जीवाड़े के जांच के साथ ही ईओ को निलंबित करने की मांग की है। जिला महामंत्री ने आरोप लगाया कि सीएम पुष्कर धामी ने अनुसूचित बस्ती नागनाथ वार्ड में एससीपी के तहत तमाम विकास कार्य स्वीकृत किए थे । आरोप लगाया कि नगरपालिका ने अपने खास लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए फर्जी तरीके से निविदा आमंत्रित की गई। कहा कि अधिशासी अधिकारी धन की बंदर बांट कर रहे हैं। जिससे विकास कार्य प्रभावित होने के साथ ही जरुरत मंदों को लाभ नहीं मिल पा रहा है।

वोटर चेतना महा अभियान के तहत जोड़े जा रहे नवीन मतदाता

अल्मोड़ा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे वोटर चेतना महा अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के तत्वाधान में सोमवार को नंदा देवी बूथ में कार्यक्रम आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अल्मोड़ा के जिला कोषाध्यक्ष मनोज वर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विधानसभा के प्रत्येक बूथ पर इस अभियान को चला रही है, इसके तहत 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नव मतदाताओं को इस अभियान में जोड़ा जा रहा है तथा मतदाता सूची में मतदाताओं के पहचान पत्रों में संशोधन तथा नए नाम जोड़ने व हटाने का कार्य किया जा रहा है। नगर अध्यक्ष अमित साह मोनू ने कहा कि अल्मोड़ा नगर के सभी बूथों में इस अभियान को वृहद रूप पर चलाया जाएगा इसके अंतर्गत सभी बूथ अध्यक्षों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप गई है। सोमवार को आयोजित बैठक में एक दर्जन से अधिक नव मतदाताओं का पंजीकरण कराया गया। इस अवसर पर किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष हरीश कनवाल, नगर महामंत्री मनोज जोशी, अर्जुन बिष्ट,दीक्षित पांडे, अजय साह, संजय वर्मा, राकेश बिष्ट, अमन अधिकारी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

किच्छा में हुई फायरिंग मामले में छह पर केस

रुद्रपुर। गांव वीरू नगला में दो पक्षों के बीच हुई फायरिंग के मामले में दोनों पक्षों ने पुलिस को एक दूसरे के खिलाफ तहरीर देकर जान से मारने की नीयत से फायर झोंकने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने केस दर्ज कर दोनों पक्षों के पांच नामजद और एक अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वीरूनगला निवासी संदीप कौर पत्नी स्वर्ण सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि राहुल श्रीवास्तव पुत्र हरीश श्रीवास्तव निवासी वार्ड 10 सितारगंज उसके घर में रहता है। शनिवार रात राहुल गांव के सरकारी स्कूल के पास बैठा था। इस दौरान गांव में रहने वाले गुरपेज सिंह और गुरबाज सिंह पुत्र मंजीत सिंह वहां आए और राहुल से गाली–गलौच करने लगे। विरोध पर आरोपियों ने राहुल के साथ मारपीट की। राहुल जान बचाने के लिए घर की ओर भागा। इस पर आरोपियों ने दो तमंचे और एक नाली बंदूक से राहुल पर जान से मारने की नियत से फायर झोंक दिए। गनीमत रही कि गोली राहुल को नहीं लगी। राहुल ने घर में घुसकर अपनी जान बचाई। इसके बावजूद आरोपियों ने उसके घर बाहर खड़े होकर 5–6 फायर किए। दूसरी ओर कश्मीर कौर ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि गगनदीप सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह उसके पोते गुरपेज सिंह और गुरबाज सिंह से रंजिश रखता है। शनिवार रात उसके पोते गुरपेज सिंह और गुरबाज सिंह खेत से घर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान गगनदीप सिंह ने अपने साथी राहुल श्रीवास्तव, हरनाम सिंह और एक अन्य के साथ तमंचों व हथियारों के बल पर गुरपेज तथा गुरबाज का रास्ता रोक लिया। आरोप है कि गुरपेज ओर गुरबाज के विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। इसपर गुरपेज और गुरबाज ने खेतों की ओर भाग कर अपनी जान बचाई। इस पर आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। आरोप लगाया कि गगनदीप पहले भी गुरबाज को जान से मारने की नीयत से उसकी कनपटी पर तमंचा तान चुका है। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने पांच और एक अन्य के खिलाफ संगीन धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

चम्पावत में नंदा–सुनंदा महोत्सव 20 से होगा

चम्पावत। चम्पावत में नंदा सुनंदा महोत्सव 20 सितंबर से होगा। आयोजन समिति ने सात दिनी महोत्सव को लेकर कार्यक्रम तय किए। 21 सितंबर को कलश यात्रा निकाली जाएगी। चम्पावत बालेश्वर मंदिर में नंदा सुनंदा महोत्सव 20 सितंबर से होगा। समिति अध्यक्ष शंकर दत्त पांडेय ने बताया कि इस दिन देव डांगर स्नान और वेदी निर्माण होगा। 21 सितंबर को कलश यात्रा निकाली जाएगी। गणेश पूजा, मातृका, नवग्रह, वास्तु व क्षेत्रपाल पूजा होगी। 22 सितंबर को वेदी पूजा, शिव पूजा, हनुमान पूजा, भैरव पूजा होगी। सायं चार बजे कदली वृक्ष को आमंत्रण दिया जाएगा। 23 सितंबर को कदली वृक्ष आगमन होगा।

शिवम चतुर्वेदी के लेफ्टिनेंट बनने पर ग्रामीणों ने दी बधाई

रुद्रपुर। शहर के समीपवर्ती गांव फौजी मटकोटा के युवा शिवम चतुर्वेदी के भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनने पर ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। उन्हें बुके भेंटकर शुभकामनाएं देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गांव फौजी मटकोटा के पूर्व प्रधान रहे स्व. राकेश चतुर्वेदी और विजया चतुर्वेदी के पुत्र शिवम चतुर्वेदी ने भारतीय सेना में पास आउट किया। इसके बाद भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट पद तैनात हो गए। ट्रेनिंग पूरी करने के पश्चात उन्हें गुवाहाटी असम में नियुक्ति मिली है। सोमवार को पार्षद मोहन खेड़ा समेत अन्य ग्रामीणों ने उनके निवास पर पहुंचकर स्वागत किया। कहा कि यह क्षेत्र के लिए गौरव की बात है कि यहां का युवा भारतीय सेना का अभिन्न हिस्सा बना है। यहां गुलाब सिंह सिरोही, मुकेश चतुर्वेदी, रामकिशन खेड़ा, गुलशन जुनेजा,रघुराज, रावत, कैलाशपुरी, देवेंद्र बिष्ट, विजय मौर्य आदि ग्रामीण के लोग मौजूद रहे।

पीपल पड़ाव रेंज से तस्करी कर लाई जा रही लकड़ी पकड़ी

रुद्रपुर। पीपल पड़ाव रेंज से तस्करी कर लाई जा रही कीमती लकड़ी से लदे पिकअप वाहन को पुलिस ने पकड़ लिया। मौके से तीन लोग फरार हो गए। जबकि पुलिस ने घेराबंदी कर दो आरोपियों को दबोच लिया।

आरोपियों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सोमवार को थानाध्यक्ष राजेश पांडेय ने बताया कि रविवार देर रात गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर पीपल पड़ाव जंगल से कैलाशपुर होते हुए आ रहे खैर के लट्ठों से भरे पिकअप वाहन को पकड़ लिया गया। वाहन में बिना रवन्ना के 21 खैर के लट्ठे भरे थे। अंधेरा का फायदा उठाकर तीन लोग भाग गए। जबकि पुलिस ने घेराबंदी कर दो आरोपियों पत्थर कुई निवासी शाहिद अहमद और आले हसन को दबोच लिया। वहीं फरार आरोपियों जाकिर, नाजिम और आलम के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

डेंगू से बचाव के उपाय किए जाएं

चम्पावत। टनकपुर नगरपालिका सभागार में पालिकाध्यक्ष ने वार्ड सभासदों संग बैठक की। जिसमें सभी को डेंगू, मलेरिया आदि बीमारियों की रोकथाम के लिए उचित उपाय किए जाने के निर्देश दिए। सोमवार को पालिकाध्यक्ष विपिन कुमार वर्मा की अध्यक्षता में पालिका सभागार में सभासदों संग बैठक की गई। जिसमें नगर क्षेत्र में साफ सफाई की व्यवस्था करने, डेंगू, मलेरिया आदि बीमारियों के खतरे को देखते हुए पर्यावरण मित्रों के साथ चर्चा की गई। इस दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था में सुधार लाने, नालियों की तली साफ करने, कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव करने के निर्देश दिए।

हाइवे पर चलती कार धूं–धूं कर जली, कार चालक झुलसा

रुद्रपुर। सितारगंज से रुद्रपुर की ओर जा रही स्विफ्ट डिजायर कार में चलते–चलते आग लग गई। आग लगने कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

चालक ने किसी तरह कार रोककर अपनी जान बचाई। इस दौरान में चालक भी झुलस गया। हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई।

सोमवार को खटीमा निवासी एजाज अहमद कार से रुद्रपुर की ओर जा रहा था। दोपहर करीब 11 बजे सितारगंज से 10 किमी आगे रुद्रपुर हाईवे पर कार में अचानक आग लग गई। कार चालक एजाज अहमद ने किसी तरह कार रोककर अपनी जान बचाई। इस दौरान वह भी झुलस गया। कुछ ही देर में कार पूरी तरह जल गयी। इस दौरान हाईवे में आवागमन बंद हो गया। राहगीरों और ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज लपटों के कारण सफलता नहीं मिली।

सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। कुछ देर बाद दमकल वाहन ने आग पर काबू पाया।

कैंसर जैसी घातक बीमारी को दावत देता तंबाकू सेवनः सीएमओ

बागेश्वर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संयोजन में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम सीएमओ कार्यालय में आयोजित किया गया। सीएमओ डॉ. डीपी जोशी ने कहा कि तंबाकू सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। यह कैंसर जैसी घातक बीमारी को दावत देता है। इससे सभी से दूर रहने की सलाह दी। स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाने का भी सुझाव दिया। वक्ताओं ने कहा कि आज युवा पीढ़ी लगातार नशे के गिरफ्त में आ रही है। इसके लिए अभिभावकों को भी जागरूक रहने की जरूरत है। अभिभावक अपने बच्चों की दिनचर्या पर नजर रखें। यदि कोई युवा नशे की गिरफ्त में आता है तो उसकी काउंसिलिंग कराएं। समय पर काउंसलिंग कराने से नशे को छुड़ाया जा सकता है। देर होते पर मामला गंभीर हो जाता है। लोगों से तंबाकू का सेवन नहीं करने की अपील की गई। इस मौके पर डॉ. हरीश पोखरिया, डॉ. हिमांशु कुमार, रविंद्र अवस्थी, डॉ. देवेश चौहान, डॉ. प्रमोद सिंह जंगपांगी आदि मौजूद रहे।

गुरिल्लों को उपनल के जरिए समायोजित किया जाए

चम्पावत। गुरिल्ला संगठन ने उपनल से विभागों में समायोजन किए जाने की मांग की है। उन्होंने इस संबंध में कैंप कार्यालय के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजा है। सोमवार को गुरिल्ला संगठन के अध्यक्ष बलवंत सिंह कुल्याल के नेतृत्व में कैंप कार्यालय में ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि पूर्व में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गुरिल्लों को उपनल के माध्यम से समायोजित किए जाने की बात कही गई थी। साथ ही गुरिल्लों को शिक्षा विभाग, राजस्व, टास्क फोर्स, होम गार्ड और एसडीआरएफ में भर्ती किए जाने का आश्वासन दिया गया था। लेकिन अब तक उन्हें किसी भी विभाग में समायोजन की प्रक्रिया अमल में नहीं लाई गई है। गुरिल्लों ने मांग पूरी न होने पर सचिवालय कूच की चेतावनी दी है।

23 सितंबर शुरू होगा सनेती का नंदा देवी मेला

बागेश्वर। दुग–नाकुरी तहसील क्षेत्र का सुप्रसिद्ध नंदा सुनंदा मेला इस बार 23 सितंबर से शुरू होगा। मुख्य मेला 26 की रात और 27 की सुबह से होगा। 27 को ही डोले के विसर्जन के साथ मेले का समापन भी होगा। मेले को भव्य व आकर्षक बनाने की तैयारी अभी से शुरू हो गई है। जल्द ही, एक शिष्टमंडल मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को निमंत्रण देने देहरादून जाएगा। मंदिर परिसर में सोमवार को मां नंदा–सुनंदा मेला कमेटी सनेती की बैठक आयोजित हुई। इस दौरान कमेटी के लिए पदाधिकारियों को चुनाव किया गया। सर्व संमत्ति से बलवंत सिंह भौर्याल को संरक्षक मनाया गया। इसके अलावा सह संरक्षक धन सिंह बाफिला, ग्राम प्रधान जगदीश सिंह बाफिला अध्यक्ष, मनोज सिंह भौर्याल उपाध्यक्ष, पंकज सिंह मेहता कोषाध्यक्ष, कुंदन सिंह रैखोला व पूरन सिंह गड़िया व्यवस्थापक, बलवंत सिंह बाफिला संयोजक, गणेश सिंह रैखोला सह संयोजक, जौहार सिंह सचिव तथा बहादुर सिंह खाती सह सचिव बनाया गया है। वक्ताओं ने बताया कि 23 से मेले का शुभारंभ होगा। 24 को खेलकूद तथा 25 को स्थानीय विद्यालयों की छात्र–छात्राएं सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करेंगे।

समस्याओं को लेकर किसानों का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

रुद्रपुर। किसानों ने समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया।

साथ ही डीएम को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं का निस्तारण करने की मांग की। किसानों ने पांच सूत्रीय मांगों का निस्तारण नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। सोमवार को भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी के प्रदेश अध्यक्ष गुरसेवक सिंह महार के नेतृत्व में किसानों ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। साथ ही पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन डीएम उदयराज सिंह को सौंपा। किसानों ने कहा कि आगामी धान खरीद के लिए निर्धारित समय से सरकारी क्रय केंद्रों का आवंटन कर धान खरीद चालू कराई जाए। कच्चा आढ़ती के माध्यम से की जाने वाली धान खरीद को निष्पक्ष से कराने तथा इस वर्ष गन्ने का समर्थन मूल्य 450 रुपये करने की मांग की।

किसानों ने कहा कि वर्ग एक ख व वर्ग–4 की भूमि की विनियमितीकरण की कार्रवाई तथा बाजपुर के 20 गांव की लीज की भूमि के संबंध में चल रही कार्रवाई को समाप्त कर प्रभावित किसानों को भूमि का मालिकाना हक दिया जाए। यहां बलविंदर सिंह, विक्रमजीत सिंह, जसविंदर सिंह, सतनाम सिंह, इंद्रजीत सिंह, लवप्रीत सिंह, दिलबाग सिंह, सुखवंत सिंह आदि मौजूद रहे।

13 को निकलेगी जिलास्तरीय पोषण जागरूकता रैली

रुद्रपुर। राष्ट्रीय पोषण माह के तहत 13 सिंतबर को कलक्ट्रेट परिसर से गांधी पार्क तक जिला स्तरीय पोषण जागरूकता रैली निकाली जाएगी। रैली के दौरान कुपोषण को लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। सोमवार को विकास भवन सभागर में सीडीओ विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी उदय प्रताप सिंह ने पोषण माह में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। बताया कि रैली कलक्ट्रेट परिसर से गांधी पार्क तक निकाली जाएगी। इस वर्ष पोषण माह की थीम सुपोषित भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत रहेगी। सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को पोषण माह में सभी गतिविधियों का आयोजन बेहतरीन तरीके से करने के निर्देश दिए हैं।

चम्पावत में बंद हैं 27 ग्रामीण सड़कें

चम्पावत। चम्पावत जिले में 27 ग्रामीण सड़कें बंद हैं। भारी बारिश की वजह से इन सड़कों में जगह–जगह मलबा आ गया है। सड़क बंद होने से ग्रामीणों का अन्य क्षेत्रों से संपर्क कट गया है। चम्पावत में बीते दिन हुई भारी बारिश से 27 सड़कों में वाहनों की आवाजाही ठप हो गई है। जिला आपदा नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के मुताबिक पुनाबे–सिप्टी–न्याड़ी, सूखीढांग–धूरा–रीठासाहिब, धौन–दियूरी, रीठासाहिब–मीडार सड़क में मलबा आ गया है।

बताया कि सिप्टी–सिमाड़, गोली–बिरगुल, ज्योस्यूड़ा–निलौटी, धौन–सल्ली, धौन–दियूरी–बजौन, चल्थी–नौलापानी, सिप्टी–अमकड़िया, बगौटी–डुंगरालेटी सड़क में आवाजाही ठप हो गई है। इसके अलावा स्याला–पोथ, बलूटा–पासम, बांकू–सुल्ला–पासम, लोहाघाट–बाराकोट–सिमलखेत, मूलाकोट–भूइंया, थुवामौनी–बांस बस्वाड़ी, चौमेल–मउ–शीलबरूड़ी, कामाज्यूला–भनार, बाराकोट–मटियाल, चिलिया–पुनौली, बाराकोट–कोठेरा, गल्लागांव–देवलमाफी, सिमलखेत–सिब्योली, पनिया–रीठाखाल, टाकखंदक–बालातड़ी सड़क भी बंद चल रही है।

आयुष्मान भव कार्यक्रम 13 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा पूरे देश में सभी लोगों तक सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं को पहुंचाने के लिए 13 सितंबर को ''आयुष्मान भवः'' कार्यक्रम लांच किया जाएगा। यह कार्यक्रम 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भव कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वच्छता अभियान, रक्तदान पखवाड़ा के साथ ही अंग दान करने की शपथ भी ली जाएगी।

जनपद चमोली में आयुष्मान भवः कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्देशित किया कि अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पहुंचाने हेतु सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करते हुए ब्लाक स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करें। प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता ने आयुष्मान भवः कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इसके अन्तर्गत ''आयुष्मान आपके द्वार'', ''आयुष्मान मेला'' और ''आयुष्मान सभा'' का आयोजन किया जाएगा। आयुष्मान आपके द्वार के अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम सभा में छूटे हुए सभी लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। आयुष्मान मेला के तहत 17 से 23 सितंबर तक सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के द्वारा प्रत्येक ग्राम सभा में 30 से अधिक उम्र के लोगों में गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग की जाएगी। आयुष्मान सभा के तहत 02 अक्टूबर को प्रत्येक ग्राम सभा में बैठक की जाएगी। ऐसी ग्राम सभा जिनमें शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए गए है और विभिन्न प्रकार के रोगों की स्क्रीनिंग पूरी कर ली गई है, उन ग्राम सभाओं को आयुष्मान ग्राम सभा का दर्जा प्रदान करते हुए सम्मानित किया जाएगा। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र, अपर जिलाधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, एसीएमओ डॉ. उमा रावत, स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारियों सहित वर्चुअल माध्यम से सभी उप जिलाधिकारी एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी उपस्थित थे।

हाईवे पर ट्रक पलटा

ऋषिकेश। भद्रकाली से मुनिकीरेती जाते हुए एक ट्रक अनियंत्रित होकर पीडब्ल्यूडी तिराहे पर पलट गया। गनीमत रही ट्रक की चपेट में कोई पैदल राहगीर और वाहन नहीं आया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्रेन से हाईवे पर पलटे ट्रक को हटाया। ट्रक चालक और परिचालक सुरक्षित बताए जा रहे हैं। मुनिकीरेती पुलिस के मुताबिक मुताबिक सोमवार तड़के चार बजे गाजियाबाद से सामान लेकर एक ट्रक भद्रकाली होते हुए आ रहा था। ब्रह्मानंद मोड़ के पास पहुंचते ही अचानक ट्रक बेकाबू हो गया। तेज ढलान पर ट्रक पीडब्ल्यूडी तिराहे के पास पलट गया। हादसा होते ही आसपास के लोग मौके पर दौड़े। उन्होंने घटना की जानकारी फौरन पुलिस को दी। पुलिस ने ट्रक से चालक निजामुद्दीन निवासी बागपत, यूपी और परिचालक रिजवान पुत्र सौकीन निवासी हापुड़, यूपी को बामुश्किल बाहर निकाला। हालांकि, हादसे के दौरान कोई चोट नहीं आई। थानाध्यक्ष रितेश शाह ने बताया कि ट्रक चालक ने पूछताछ में ब्रेक फेल होने की बात कही है। क्रेन के माध्यम से राजमार्ग से ट्रक को हटवा दिया गया है।

मोटर मार्ग सुधारीकरण की मांग को नाराज ग्रामीणों का लोनिवि दफ्तर पर प्रदर्शन

विकासनगर। दांवापुल कुराड़, सिचाड़ जोगियो मोटर मार्ग के डामरीकरण और सुधारीकरण की मांग को लेकर नाराज ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग चकराता के कार्यालय पहुंचकर धरना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों ने विभाग के विरुद्ध प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी की। कहा कि मार्ग निर्माण नहीं होने पर आगामी लोकसभा चुनावों का बहिष्कार किया जाएगा। इस मार्ग से आवाजाही करने वाले दो खतों द्वार और बिशलाड के मिंडाल, कुराड़, खनाड़, सिचाड़, बनियाना, मंझगांव, समोग, थणता, जोगियो, सुणऊ सावरा, बैरावा, खारसी आदि गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन कर लोनिवि के खिलाफ नारेबाजी की। जिला पंचायत सदस्य मोहना मीरा जोशी ने कहा कि विभाग पिछले 31 साल से ग्रामीणों को बेवकूफ बनाने का काम कर रहा है, लेकिन मार्ग का निर्माण नहीं कर रहा है। कहा कि जब तक मौके पर विभाग के चीफ या अधीक्षण अभियंता नहीं आते तब तक वह किसी अधिकारी से वार्ता नहीं करेंगे। कहा ग्रामीणों ने तय किया है जब तक रोड नहीं तब तक वोट नहीं। कहा कि जून माह में भी ग्रामीणों ने यहां धरना दिया था और अधिशासी अभियंता द्वारा दो माह में मार्ग निर्माण का आश्वासन देकर धरना समाप्त करवा दिया था। लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि 1992 में बना यह मार्ग आज तक ठीक नहीं हो पाया है। दांवापुल से बैरावा तक 16 किमी मार्ग की स्थिति बहुत ज्यादा खराब है।

मार्ग पर स्लिप आये हुए हैं व बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए है। जिससे मार्ग पर वाहन चलाना बहुत मुश्किल है। इस कारण कई बार गर्भवती महिलाओं व बीमार व्यक्तियों की जान पर बन आई है। कई बार इस मार्ग पर वाहन दुर्घटनाओं में लोग अपनी जान तक गंवा चुके हैं, लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

यातायात नियमों के प्रति जागरूकता को हुए कार्यक्रम

ऋषिकेश। ग्राफिक एरा देहरादून के छात्र-छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के जरिये लोगों को यातायात निमयों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने नियमों की अनदेखी से होने वाले हादसों के बारे में बताया।

लोगों से ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील करते हुए शपथ दिलाई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और परिवहन विभाग की ओर से आयोजित सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा के तहत सोमवार को 14 छात्र-छात्राओं की टीम आईना ऋषिकेश एआरटीओ कार्यालय पहुंची। कार्यक्रम के दौरान एआरटीओ अरविंद पांडेय, संभागीय निरीक्षक रोमेश अग्रवाल आदि मौजूद रहे। इससे पूर्व विभाग ने रानीपोखरी स्थित डांडी भोगपुरी के दून भवानी स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। परिवहन कर अधिकारी अनिल कुमार ने छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी दी। बताया कि बिना हेलमेट वाहन नहीं चालाना है।

पूर्ण होने वाली योजनाओं का तत्काल भुगतान करें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने विभागों को निर्देशित किया कि जो योजनाएं पूर्ण हो गई है, उनका तत्काल भुगतान किया जाए। ऐसी योजनाएं जिसमें धनराशि अवमुक्त होनी वाली है, उनका टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली जाए, ताकि धनराशि मिलने में तत्काल काम शुरू हो सके। विभागों द्वारा निर्माणदायी संस्थाओं को जो कार्य दिए गए है, उन कार्यों की विभाग स्वयं मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्ता के साथ समय से पूरा कराना सुनिश्चित करें। लोनिवि, वन, सिंचाई, पेयजल, बाल विकास विभागों के अन्तर्गत संचालित कार्यों की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने संबधित अधिकारियों को तेजी लाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने सोमवार को क्लेक्ट्रेट सभागार में जिला योजना, राज्य सेक्टर, केन्द्र पोषित, बाहय सहायतित एवं बीस सूत्री कार्यक्रमों की प्रगति समीक्षा की। उन्होंने विभागों को पिछले अवशेष कार्यों और प्रस्तावित कार्यों को शीर्ष प्राथमिकता पर पूरा करते हुए शत प्रतिशत व्यय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी कहा कि राज्य सेक्टर, केन्द्र पोषित, बाह्य सहायतित और 20 सूत्री कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यों को भी जल्द से जल्द पूरा करते हुए शत प्रतिशत व्यय करना सुनिश्चित करें। लोनिवि के नोडल अधिकारी द्वारा बैठक में आधी अधूरी जानकारी से नाराज जिलाधिकारी ने उन्हें कारण बताओं नोटिस भी जारी किया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को हिदायत दी कि विभाग द्वारा संचालित कार्यों की पूरी जानकारी के साथ बैठक में प्रतिभाग करें। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी ने बताया कि जिला योजना के अंतर्गत अनुमोदित परिव्यय 6875.34 लाख के सापेक्ष 2291.44 लाख धनराशि विभागों को अवमुक्त की गई है, जिसमें से अभी तक विभागों ने 72.43 प्रतिशत व्यय कर लिया है। राज्य सेक्टर के अन्तर्गत अवमुक्त 17041.73 लाख के सापेक्ष 11.72 तथा केन्द्र पोषित में अवमुक्त 48203.61 लाख के सापेक्ष 15.74 प्रतिशत धनराशि विभागों द्वारा व्यय की जा चुकी है। बैठक में सीडीओ डा. ललित नारायण मिश्र, परियोजना निदेशक आनंद सिंह, एसीएमओ डॉ. उमा रावत सहित समस्त विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

रेलवे संबंधी स्थायी समिति, ऋषिकेश अध्ययन दौरे पर आये सभी विशिष्ट अतिथियों व पदाधिकारियों ने गंगा आरती में किया सहभाग

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन की विश्व विख्यात गंगा आरती में रेलवे संबंधी स्थायी समिति, ऋषिकेश अध्ययन दौरे पर आये सभी विशिष्ट माननीय सांसदगण, अतिथियों व पदाधिकारियों ने सहभाग किया। परमार्थ गुरूकुल के आचार्य श्री दीपक शर्मा जी व गुरूकुल के ऋषिकुमारों ने शंख ध्वनि व पुष्प वर्षा कर सभी अतिथियों का परमार्थ निकेतन के दिव्य प्रांगण में अभिनन्दन कर परमार्थ निकेतन की हरित भेंट रूद्राक्ष का पौधा भेंट किया। अध्यक्ष, श्री राधा मोहन सिंह जी, लोकसभा संसद हरिद्वार डॉ रमेश पोखरियाल निशंक जी, विधायक श्री आदेश चैहान जी, माननीय सांसदगण एवं पदाधिकारियों ने परमार्थ निकेतन में विश्व ग्लोब का अभिषेक कर जल संरक्षण का संदेश दिया।ज्ञात हो कि परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी अपनी विदेश यात्रा पर हैं, उन्होंने परमार्थ निकेतन पधारे सभी अतिथियों को साधुवाद देते हुये दिल्ली में आयोजित जी-20 की सफलता हेतु शुभकामनायें अर्पित की। उन्होंने कहा कि ह्यह्यभारत के इस अमृत काल को आने वाली पीढ़ियों के सुनहरे भविष्य की नींव के रूप में देखा जा सकता है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में इस समय भारत वास्तव में अपने पूर्ण अस्तित्व के साथ आगे बढ़ रहा है। यह यात्रा सकुशल पूर्ण करने हेतु हम सभी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आईये भारत की दिव्यता और भव्यता को बनाये रखने हेतु हम अपना योगदान प्रदान करें। इस अवसर पर अध्यक्ष, श्री राधा मोहन सिंह जी, श्री अहमद अशफाक करीम जी, श्री कौशलेंद्र कुमार जी, श्री मुकेश राजपूत जी, श्री रमेश चंद्र कौशिक जी, सुश्री चंद्राणी मुर्मू जी, श्री गोपाल जी ठाकुर जी, श्रीमती केशरी देवी पटेल जी, श्री नरहरि अमीन जी, श्री अजीत कुमार भुइयां जी, श्री खीरू महतो जी, डा प्रशांता नंदा जी, श्रीमती संगीता कुमारी सिंह जी, श्री सुमेर सिंह सोलंकी जी, विधायक श्री आदेश चैहान जी, डॉ. शीबा हुसैन जी, श्री अमित सरकार जी, ज्वाइन सेक्रेटरी श्रीमती सुमन अरोड़ा जी, उप सचिव श्रीमती सवधा कालिया जी, समिति पदाधिकारी श्री रूद्रेश सिंह यादव जी, रपोर्टिंग आफिसर श्री कुनाल के सिंह जी, डॉ. वेद प्रकाश सिंह जी और अन्य विशिष्ट अतिथियों और पदाधिकारियों को परमार्थ निकेतन की हरित भेंट रूद्राक्ष का पौधा भेंट किया।

मजबूत विपक्ष की भूमिका में होगी राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी

ऋषिकेश। राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी के संयोजक शिव प्रसाद सेमवाल ने कहा है कि नगर निकाय और लोकसभा चुनाव में राज्य की सभी सीटों पर पार्टी प्रत्याशी उतारेगी। क्षेत्रीय मुद्दों को उठाकर पार्टी चुनाव में जीत हासिल करने का प्रयास करेगी। नौ जिलों में संगठन खड़ा कर दिया गया है। तीन जनपदों में अभी पार्टी की मजबूती के लिए काम किया जा रहा है। जल्द पार्टी राज्य में एक मजबूत क्षेत्रीय संगठन के रूप में उभरती हुई नजर आएगी। सेमवाल ने ऋषिकेश में सोमवार को प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता की । उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय दलों ने राज्य के लोगों को सिर्फ छला है। वन्यजीवों से संघर्ष, शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के मामलों में प्रदेश के लोग हाशिये पर हैं। दिल्ली के एजेंडे में उत्तराखंड के लोग नहीं है। पहाड़ी राज्यों में अकेला उत्तराखंड ही ऐसा प्रदेश है, जिसमें सशक्त भू-कानून नहीं है। पूरे देश के लिए सचिवालय से लेकर समूह ग और चुतुर्थ श्रेणी में नौकरी के दरवाजे खोल दिए गए हैं, लेकिन ज्यादातर राज्यों में ऐसा नहीं है। आरोप लगाया कि भाजपा-कांग्रेस राज्य के लोगों का हक संसाधन संपन्न लोगों के जरिये मार रही है। सेमवाल ने कहा कि स्थानीय मुद्दों को उठाने और सत्ता पर दबाव बनाने के लिए मजबूत क्षेत्रीय विपक्ष की जरूरत है, इसकी भरपाई राष्ट्रवादी रीजन पार्टी करेगी। वार्ता से पूर्व उन्होंने महावीर सिंह कुमाईं, भरत सिंह राणा, प्रदीप उनियाल, कमल राणा, सरोज रणाकोटी, यशोदा सेमवाल, कलावती, कर्ण सिंह नेगी, सोहन सिंह राणा, उपेंद्र सकलानी और बलबीर सिंह नेगी को पार्टी की सदस्यता भी ग्रहण कराई। मौके पर मनोरमा चमोली, गुलाब सिंह रावत, राजेंद्र पंत, विनोद कोठियाल, प्रमोद डोभाल आदि मौजूद रहे।

एलएलएम पाठ्यक्रम में प्रवेश 20 से

ऋषिकेश। श्रीदेवसुमन विवि के ऋषिकेश कैंपस में एलएलएम पाठ्यक्रम शुरू होने जा रहा है। 20 सितंबर से कैंपस में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

अभ्यर्थी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। अब ऋषिकेश के अभ्यर्थियों को लॉ में पीजी करने के लिए देहरादून के चक्कर नहीं काटने होंगे। ऋषिकेश कैंपस में एलएलएम पाठ्यक्रम शुरू होने जा रहा है।

20 सितम्बर से पहले आओ पहले पाओ के आधार पर प्रवेश दिए जाएंगे। दो वर्ष और 4 सेमेस्टर की अवधि वाले इस पाठ्यक्रम में कुल 60 सीटें हैं। एलएलएम में प्रवेश के लिए 5 वर्षीय बीए, एलएलबी उत्तीर्ण या तीन वर्षीय एलएलबी उत्तीर्ण या समकक्ष डिग्री प्राप्त सामान्य वर्ग के छात्र प्रवेश ले सकते हैं। आरक्षित वर्ग के छात्रों को प्रावधान के आधार पर प्रवेश मिलेगा। छात्र संवैधानिक, प्रशासनिक विधि और कोरपोरेट विधि में एलएलएम कर सकते हैं।

डाकपत्थर महाविद्यालय में छात्रों ने प्राचार्य का घेराव कर तालाबंदी की

विकासनगर। वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डाकपत्थर में प्राध्यापकों की कमी, पुस्तकालय से किताबें नहीं मिलने समेत अन्य समस्याओं को लेकर प्राचार्य का घेराव कर कॉलेज गेट पर तालाबंदी की। विभिन्न छात्र संगठनों से जुड़े छात्र सोमवार सुबह 11 बजे कॉलेज गेट पर एकत्र होकर नारेबाजी करने लगे। छात्रों ने कॉलेज गेट पर तालाबंदी कर प्राचार्य का घेराव किया। छात्रों ने कहा कि प्राध्यापकों की नियुक्ति को लेकर लंबे समय से मांग की जा रही है, बावजूद शासन-प्रशासन छात्रों की समस्या पर ध्यान नहीं दे रहा है। बताया कि कॉलेज में 24 सौ से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, जबकि यहां मात्र 23 प्राध्यापक तैनात हैं। कई विषयों में सिर्फ एक ही प्राध्यापक की तैनाती होने से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। प्राध्यापकों की कमी के कारण प्रयोगात्मक विषयों का शिक्षण पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है। समय पर प्रयोगात्मक कक्षाओं का संचालन नहीं होने से विषय सामग्री की पूरी जानकारी नहीं मिलती है, जिससे परीक्षा की तैयारियों पर असर पड़ता है। इसके साथ ही छात्रों ने कहा कि नया शिक्षा सत्र शुरु हुए तीन माह से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन अभी तक उन्हें परिचय पत्र नहीं मिले हैं। बिना परिचय पत्र के पुस्तकालय से किताबें नहीं मिल रही हैं, जिससे उन्हें प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा की तैयारियों में अड़चन आ रही है। कॉलेज में अध्ययनरत अधिकांश छात्र-छात्राएं आर्थिक तौर पर कमजोर तबके से ताल्लुक रखते हैं, जिसके चलते विषय सामग्री से संबंधित किताबें बाजार से खरीदना उनके लिए मुश्किल है। छात्रों ने प्राचार्य से जल्द सभी समस्याओं के निस्तारण की मांग की है।

घेराव करने वालों में छात्र संघ अध्यक्ष लक्ष्मी वर्मा, पूर्व अध्यक्ष प्रिंस राणा, पलक खन्ना, हर्ष शर्मा, विक्की ठाकुर, विशाल शर्मा, अमित शर्मा, अरुण चौहान, प्रीति, आकृति आदि शामिल रहे।

सम्पादकीय

कहीं महामारी न बन जाए डेंगू

उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्रों में डेंगू जिस तेजी से फैल रहा है और स्वास्थ्य व्यवस्थाएं बिगड़ रही हैं, उसे देखते हुए अब एक चिंता यह भी होने लगी है कि क्या डेंगू एक महामारी का रूप लेने जा रहा है? राज्य की राजधानी देहरादून में हालत अधिक खराब है। इसका अनुमान स्वास्थ्य विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार लगाया जा सकता है जहां प्रदेश में अब तक 1130 प्रकरण डेंगू से संबंधित सामने आए हैं जिनमें से 50% से अधिक मामले अकेले राजधानी देहरादून में ही मिले हैं। आंकड़ा खुद बताता है कि राजधानी देहरादून संवेदनशील स्थिति में है और यहां डेंगू को समाप्त करने के लिए अब तक जो प्रयास किए गए हैं वह कसौटियों पर पूरी तरह खरे नहीं उतरे हैं। हालांकि सरकारी आंकड़ों एवं हकीकत में बड़ा अंतर होने की भी बड़ी संभावना है। साफ है कि समय से पूर्व डेंगू को लेकर नगर निगम ने प्रयास नहीं किया और अब जब स्थिति काबू से बाहर हो गई है।अब जैसे तैसे फॉगिंग का काम किया जा रहा है। हालांकि इस अभियान पर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं और कहा जा रहा है कि निगम का यह कार्य सिवाय धुएं के और कुछ नहीं है। डेंगू के बढ़ रहे मामले देखकर तो यही लगता है कि निगम के प्रयास वाकई नाकाफी है तो वही स्वास्थ्य विभाग भी डेंगू के उपचार में कहीं ना कहीं हांफता हुआ नजर आ रहा है। स्थितियां हाथ से निकलती हुई प्रतीत हो रही है तो अब सरकार ने डेंगू की रोकथाम के लिए नया प्लान तैयार किया है जिसमें कोविड की तर्ज पर डेंगू पर काबू पाने के लिए रणनीति पर कार्य किया जाएगा। इसके तहत एक ही जगह से डेंगू के 10 से अधिक मरीज मिलने पर माइक्रो कंटेनमेंट जोन घोषित किए जाएंगे व इन स्थानों पर प्रत्येक घर में लार्वा नष्ट करने के लिए सफाई अभियान के साथ फॉगिंग की जाएगी। प्रत्येक कंटेनमेंट जोन में निगरानी के लिए नोडल अधिकारी नामित होंगे। डेंगू के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए निगम के 100 वार्डों में डेंगू पर रोकथाम लगाने एवं लारवा नष्ट करने के लिए कार्य होगा जिसे युद्ध स्तर पर चलाया जाएगा। किसी मोहल्ले में डेंगू के 10 से अधिक मरीज मिलने पर उस क्षेत्र को माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाकर नोडल अधिकारी तैनात होंगे। अक्सर मानसून की समाप्ति के दौरान ही डेंगू अपना असर दिखाता है और निगम का कैलेंडर भी कहीं ना कहीं विभाग को यह जरूर दर्शाता होगा कि डेंगू से निपटने के लिए तैयारियां समय पर शुरू की जाए, लेकिन सरकारी विभाग स्थितियां बिगड़ने का इंतजार करते हैं और जब तक कार्रवाई की जाती है तब तक बीमारी अनियंत्रित हो जाती है। बीमारी के हावी होने से पूर्व यदि समय पर एहतियाती कदम उठाए जाए तो शायद ऐसी स्थिति उत्पन्न ही न हो जो वर्तमान में देहरादून में नजर आ रही है। नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग को अपने कैलेंडर तय करने चाहिए जिनमें मौसमी बीमारियों को लेकर व्यापक गंभीरता दिखाई जाए। बीमारी पनपने के बाद हाय-तौबा मचाने से ज्यादा बेहतर यह है कि बीमारी से पूर्व ऐतिहासिक कदम उठाते हुए जन सहयोग की मदद से बीमारी पर अंकुश लगाया जाए। यह तभी संभव है जब निगम एवं स्वास्थ्य विभाग अपनी जिम्मेदारियां को गंभीरता से समझेगा।

घोषणापत्र मंजूर, अमेरिका से बेडा पार!

विदेशी और देसी दोनों पत्रकार इस बात से नाराज दिखे कि केवल वेजिटेरियन खाना परोसा गया। चलो, यह भी धक जाता। पर बुफे के नाम पर सिर्फ छोले, पनीर और खीर थी और यह खीर भी खीर के नाम पर मजाक थी। मेरे लिए, और मैं झूठ नहीं बोलूंगी, पेरियर स्पार्कलिंग वाटर एकमात्र अच्छी चीज थी। इसकी बोतल खोलते ही निकलने वाली गैस की सनसनाहट ने मेरे मूड को कुछ बेहतर किया क्योंकि बाकी सब तो निहायत नीरस, उबाऊऔर फीका था।चार बज चुके हैं और अब पत्रकार काफी के एक के बाद एक कप पीकर यह उम्मीद कर रहे हैं कि शायद शाम तक उन्हें ऐसा कुछ मिल जाएगा जिसे वे खबर कह सकते हैं। पर माहौल को देखते तो हुए ऐसा नहीं लगता।

ऋषि सुनक और आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने प्रेस कांफ्रेंसें संबोधित कीं परंतु केवल अपने देश के मीडिया के लिए। मगर हां, यह खबर है कि राष्ट्रपति बाइडन का एयरपोर्ट से उतर कर सीधे प्रधानमंत्री मोदी से मिलने उनके घर जाना अमेरिकी मीडिया के बुरे अनुभवों का कारण बना। अमेरिका के वे पत्रकार जो राष्ट्रपति के साथ हर विदेश यात्रा में एयरफोर्स वन में आते- जाते है और व्हाइटहाउस कवर करते है, उन्हे पीएमओ के घर के बाहर वैन में बैठे रहना पड़ा।

श्रुति व्यास

करीब 3.30 बजे टीवी स्क्रीनों पर अचानक प्रधानमंत्री मोदी प्रकट हुए। वे उत्साह से लबरेज थे। उन्होंने कहा- नई दिल्ली घोषणापत्र को सभी देशों ने एकमत से स्वीकार कर लिया है। इस संक्षिप्त बयान के बाद उन्होंने वहां मौजूद ऑफिसियल मीडिया के पत्रकारों को बाहर जाने को कहा। स्वभाविक जो मीडिया सेंटर में हलचल हुई। तभी जयशंकर की प्रेस कान्फ्रेंस होने की अटकल सच सिद्ध हुईं। प्रेस कान्फ्रेंस में विदेश मंत्री के साथ वित्त मंत्री, और जी-20 शेरपा भी मौजूद थे। मीडिया को आधिकारिक रूप से बताया गया कि जी-20 सम्मेलन में सभी देशों के सहयोग से नई दिल्ली घोषणापत्र को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया है। जयशंकर ने कहा कि इसका मतलब है कि अब भारत वैश्विक पटल पर अपना स्थान पा चुका है। अमिताभ कांत, जो बहुत रोमांचित और खुश नजर आ रहे थे, ने कहा कि इस घोषणापत्र को बिना एक भी फुटनोट के स्वीकार किया गया है।

यूक्रेन-रूस युद्ध के बारे में कांत ने कहा कि भूराजनैतिक स्थिति के सम्बन्ध में जो पैरा हैं, उनमें आज की दुनिया में प्लेनेट, पीपुल, पीस एवं प्रोस्पेरिटी का आव्हान है जिससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के नेता बन चुके हैं!

सो कुल मिलाकर घोषणा पत्र का झंझट, सस्पेंश खत्म। जो आखिर में होना था वह पहले दिन ही हो गया। यूक्रेन के जिस मुद्दे और पैरे को ले कर जी-20 की सर्वमान्य घोषणापत्र परंपरा में रूकावट आती लगती थी वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस जोशीले वाक्य से खत्म हुई कि इतिहास रचा गया। "फ्रेंड्स अभी अभी खुशखबरी मिली है कि हमारी टीम्स के हार्डवर्क और आप सभी के सहयोग से नई दिल्ली जी-20 लीडर्स डिक्लेरेशन पर सहमति बनी है। मेरा प्रस्ताव है कि इस लीडर्स डिक्लेरेशन को भी एडॉप्ट किया जाए।"

रूस-यूक्रेन युद्ध के मामले में किन शब्दों का प्रयोग किया जाए, इसको लेकर जो तनातनी या असहमतियां थी वह गोलमोल पैरे से खत्म हुई। न रूस के यूक्रेन हमले का जिक्र हुआ और न बाली के वाक्य दोहराए गए। कुल मिलाकर मोदी के लिए जी20 सफल रहा है। न तो कोई बाधाएं आईं, न उनसे कोई प्रश्न पूछे गए और ना ही कोई आलोचना हुई। उन्होंने वैश्विक मीडिया को किनारे रखकर भी सभी देशों का सहयोग हासिल कर लिया। ले देकर बाली की भाषा के बजाय संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव की ओर ध्यान दिला प्रतिबंधों में ढील देने की रूस की मांग के मद्देनजर रूस और यूक्रेन से अनाज, खाद्य सामग्री और खाद की फौरी और बेरोकटोक आपूर्ति संभव बनाने की अपील हुई है।

जाहिर है अमेरिका और पश्चिमी देशों ने भारत की अध्यक्षता के खातिर अपने रूख को ढीला रखा।

बहरहाल, आज दिन की शुरूआत जल्दी हो गई। जहां दिल्ली छुट्टी पर थी वहीं मीडियाकर्मियों को सूरज की पहली किरण के साथ उस जगह पहुंचना था जहां से बसें उन्हें प्रगति मैदान ले जाने वालीं थीं। सुबह 8.30 बजे तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मीडिया अपने-अपने निर्धारित स्थानों पर पहुंच चुके थे। प्रधानमंत्री भारत मंडपम में और मीडिया, अंतर्राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में चारों ओर लगाई गई विशाल स्क्रीनों के सामने। इस डायरी के साथ प्रकाशित फोटो से आपको यह अनुमान लग जाएगा कि भारत और दुनिया के फोटो एवं टीवी पत्रकार इस प्रतिष्ठित और विशाल जी-20 सम्मेलन का कवरेज किस तरह कर रहे हैं। जहां सभी कैमरे बाइडन और मोदी की गलबहियों की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे थे वहीं मैं उन गणमान्य लोगों की चाल-ढाल देख रही थी जो लाल कालीन पर चलकर जा रहे थे।

कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो की चाल में जिंदादिली थी तो ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की मोहक मुस्कान और नमस्ते मुझे बहुत अच्छी लगी। जर्मन चासंलर ओलाफ शुल्ट्ज, एक आंख पर काली पट्टी लगी होने के कारण समुद्री लुटेरे नजर आ रहे थे। तुर्की के राष्ट्रपति अर्दोआन का चेहरा तो कडक़ था लेकिन चाल कमजोर। रूसी विदेशमंत्री सर्गेई लावरोव सम्मेलन की आभा में इतने खो गए कि गिरते-गिरते बचे। लेकिन जिसने सबका ध्यान सबसे ज्यादा खींचा वे थीं इटली की प्रधानमंत्री ज्योर्जा मेलोनी जो अपने नीले पेंट-सूट में शानदार लग रहीं थीं। वे ग्लैमरस तो थी हीं उनके चेहरे पर ऐसे व्यक्ति के भाव थे जिसे यह पता रहता है कि उसके हुक्म का पालन तो होगा ही। सबसे जानदार एंट्री थी 81 साल के अमरीकी राष्ट्रपति जो बाइडन की। वे अपने ट्रेडमार्क रे बेन पहने हुए बीस्ट से उतरे। इस उम्र में भी और चलने में थोड़ी मुश्किल होने के बाद भी उनके रूआब में कोई कमी नहीं थी। अमरीकी राष्ट्रपति ही नहीं बल्कि ज्यादातर विश्व नेता और अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओ के प्रमुख बूढ़े हो चले हैं और यह उनकी चाल और डील-डौल दोनों में दिखता है।

ग्यारह बजते-बजते सभी नेता गोलमेज के इर्दगिर्द बैठ चुके थे। मीडियाकर्मी काफी पीकर रिचार्ज हो रहे थे और जो कुछ उन्होंने विशाल स्क्रीनों पर देखा उसका विवरण अपने-अपने आफिसों को भेज रहे थे। दिलचस्प यह था कि टीवी पत्रकार, टीवी स्क्रीन के सामने खड़े होकर लाइव रिपोर्टिंग कर रहे थे! 11 बजते न बजते जी-20 वह पहला अंतर्राष्ट्रीय आयोजन बन गया जिसमें इंडिया, भारत नाम से भाग ले रहा है। टीवी रिपोर्टर ट्वीट पर ट्वीट कर रहे थे और जोर-जोर से अपने-अपने कैमरों के आगे चिल्ला रहे थे कि "भारत का प्रधानमंत्री अब आधिकारिक शब्दावली हो गई है"। मतलब इंडिया के भारत बनने की खबर अफ्रीकी यूनियन के जी-20 का नवीनतम स्थायी सदस्य बनने से अधिक महत्वपूर्ण बन गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय मीडिया के प्रति जबरदस्त 'सम्मान' व्यक्त किया। अपने उद्घाटन भाषण के अंत में उन्होंने आधिकारिक मीडिया कर्मियों को हॉल से बाहर जाने को कहा, परंतु उसमें 'थेंक्यू' का पुछल्ला जोडक़र।

एक बजते-बजते मीडिया सेंटर में सन्नाटा छा चुका था। आखिरकार सभी लोग सुबह पांच बजे से काम में लगे हुए थे। यह बात अलग है कि उनके पास कोई काम नहीं था। जहां भारत मंडपम के बंद दरवाजों के पीछे सम्मेलन की कार्यवाही चल रही थी और शायद यूक्रेन पर चर्चा हो रही थी वहीं मीडिया मंडपम में अफवाहों का बाज़ार गर्म था।

"ऋषि सुनक की पत्रकार वार्ता होगी", "आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री की पत्रकार वार्ता होगी" "3 बजे एस. जयशंकर की पत्रकार वार्ता होगी" और ऐसी ही अन्य बातें। समाचार कम थे, जानकारियां तो बिल्कुल ही नहीं थीं और प्रतिनिधियों या महत्वपूर्ण व्यक्तियों से एक्सक्लूसिव बातचीत का तो कोई सवाल ही नहीं था। बेचारे पत्रकार अपने ही साथी पत्रकारों का इंटरव्यू ले रहे थे और उनकी 'राय' जान रहे थे कि बैठक में क्या होगा या क्या हो सकता है!

इस बीच खाना भी चर्चा का सबब बना। और इसलिए नहीं कि वह बहुत शानदार था। बल्कि इसलिए क्योंकि आईटीसी मौर्या की केटरिंग के बावजूद वह खाना निहायत सादा और बेस्वाद था।

भारत एक से बढक़र एक व्यंजनों का देश है परंतु पत्रकारों के हाथ तो केवल दाल, रोटी और चावल लगा। प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार ने यह दावा किया है कि पिछले एक साल में सभी 28 राज्यों और 8 केन्द्र शासित प्रदेशों के 60 शहरों में जी-20 से जुड़ी 220 बैठकें आयोजित की गईं। अपने एक हालिया इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने गर्वोक्ति की कि पिछले एक साल में 125 देशों के एक लाख प्रतिनिधियों ने भारत के जादू का अनुभव किया। परंतु इंटरनेशनल मीडिया सेंटर, जहां पूरी दुनिया से 4,000 मीडियाकर्मी जुटे हैं, इस अनुभव के सौंवे हिस्से का आनंद भी नहीं ले सके।

पहली बात तो यह है कि उन्हें शिखर वार्ता के आयोजन स्थल तक कोई पहुंच नहीं दी गई। दूसरे भारत क्या कह रहा है, वह भी उनको नहीं बताया जा रहा है। पहले दिन जो प्रेस कांफ्रेंस हुई उसमें चीन्ह-चीन्ह कर पत्रकारों को प्रश्न पूछने का मौका दिया गया। केवल पसंदीदा पत्रकारों और मीडिया चैनलों को अवसर मिला झ कहीं ऐसा न हो कि कोई ऐसा प्रश्न पूछ ले जिसका उत्तर देना मुश्किल हो। तीसरा मुद्दा है खाना।

विदेशी और देसी दोनों पत्रकार इस बात से नाराज दिखे कि केवल वेजिटेरियन खाना परोसा गया। चलो, यह भी धक जाता। पर बुफे के नाम पर सिर्फ छोले, पनीर और खीर थी और यह खीर भी खीर के नाम पर मजाक थी। मेरे लिए, और मैं झूठ नहीं बोलूंगी, पेरियर स्पार्कलिंग वाटर एकमात्र अच्छी चीज थी। इसकी बोतल खोलते ही निकलने वाली गैस की सनसनाहट ने मेरे मूड को कुछ बेहतर किया क्योंकि बाकी सब तो निहायत नीरस, उबाऊ और फीका था।

चार बज चुके हैं और अब पत्रकार काफी के एक के बाद एक कप पीकर यह उम्मीद कर रहे हैं कि शायद शाम तक उन्हें ऐसा कुछ मिल जाएगा जिसे वे खबर कह सकते हैं। पर माहौल को देखते तो हुए ऐसा नहीं लगता।

ऋषि सुनक और आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ ने प्रेस कांफ्रेंसें संबोधित कीं परंतु केवल अपने देश के मीडिया के लिए। मगर हां, यह खबर है कि राष्ट्रपति बाइडन का एयरपोर्ट से उतर कर सीधे प्रधानमंत्री मोदी से मिलने उनके घर जाना अमेरिकी मीडिया के बुरे अनुभवों का कारण बना। अमेरिका के वे पत्रकार जो राष्ट्रपति के साथ हर विदेश यात्रा में एयरफोर्स वन में आते- जाते है और व्हाइटहाउस कवर करते है, उन्हे पीएमओ के घर के बाहर वैन में बैठे रहना पड़ा। रॉयटर्स ने रिपोर्ट किया है कि 8 सितंबर को नई दिल्ली पहुंचने के तुरंत बाद बाइडेन ने मोदी के साथ एक बंद कमरे में बैठक की। जब प्रधानमंत्री के आवास पर यह मुलाकात हुई, तब अमेरिकी प्रेस को दोनों नेताओं की नजर से दूर एक वैन में कैद कर लिया गया था। अमेरिकी प्रेस की टीम की जिम्मेदारी प्रेस सेक्रेटरी कैरेन और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवान को है और इनके लिए अमेरिकी पत्रकारों को जवाब देना मुश्किल हुआ। सुलीवान को मानना पड़ा कि मीडिया की एक्सेस ऐसे रोकना एक गंभीर मुद्दा हैं। हम इसे बेहद गंभीरता से लेते हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से इसे बेहद गंभीरता से लेता हूं। पर हम वह कर रहे हैं जो हम कर सकते हैं, लेकिन आखिर में हमें मेजबान के साथ और विशेष रूप से, उनके निजी आवास के प्रोटोकॉल में काम करना होगा।

जली हुई एल्यूमिनियम कड़ाही को नई जैसी कैसे बनाएं, जानें कुछ आसान टिप्स

कड़ाही हमारे रसोई का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसे हम रोज खाना पकाने के लिए प्रयोग में लाते हैं. जबकि बाकी रसोई के बर्तन आसानी से साफ हो जाते हैं लेकिन, कड़ाही को साफ करने में हमें अधिक समय लगता है. इस भाग दौड की जिंदगी में हमें कभी-कभी कड़ाही साफ करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता. जब हम कुछ दिनों बाद इसे साफ करने की कोशिश करते हैं, तो यह इतनी जली होती है कि साफ करना मुश्किल हो जाता है. इस समस्या से महिलाएं आए दिन जूझ रहती है. घंटो साफ करने के बाद भी जली हुई कड़ाही साफ नहीं होती है. ऐसे में हम आपको कुछ ऐसी घरेलू टिप्स बताएंगे जिससे एल्यूमिनियम कड़ाही आसानी से साफ किया जा सकता है और आप अपनी कड़ाही को नया जैसे चमका सकते हैं. ये हैं कुछ तरीके... **टमाटर का रस या चुकंदर** * कड़ाही में टमाटर का रस या चुकंदर का रस लगा दें. * थोड़ी देर तक उसे उसी में छोड़ दें. * फिर कड़ाही को अच्छे से साफ कर लें.

टाटरी और नमक * थोड़ी टाटरी को थोड़े से पानी में गरम करें. * फिर उसमें थोड़ा नमक मिलाकर पेस्ट तैयार करें. * इस पेस्ट को कड़ाही पर लगाकर रगड़ें. * 15-20 मिनट बाद इसे साफ पानी से धो दें.

बेकिंग सोडा और सिरका * एक कप पानी में 2 चम्मच बेकिंग सोडा और 2 चम्मच सिरका मिलाएं. * इस मिश्रण को गरम कड़ाही पर लगाएं और रगड़ें. * फिर पानी से धो दें.

लेमन और नमक * एक टुकड़ा लेमन को नमक में डुबोकर कड़ाही की अंदरूनी सतह पर रगड़ें. * थोड़ी देर बाद कड़ाही को धो दें. **पुरानी वाइन** * कढ़ाही में थोड़ी पुरानी वाइन डालें. * कढ़ाही को धीमी आंच पर रखें और वाइन को थोड़ा गर्म करने दें. * जले हुए हिस्से और दाग पर स्क्रब करें. * वाइन के एसिडिक गुण जले हुए हिस्से को ढीला कर देंगे, जिससे वह आसानी से हट जाएगा.

* उसे बाद कढ़ाही को अच्छी तरह से पानी से धो लें और सुखा लें.

रंग और रोशनी है पर एजेंडा कहां ?

हरिशंकर व्यास

जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों पर चार हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च हुए हैं। यह खर्च दिल्ली की सडक़ों से लेकर अखबारों के पन्नों तक में दिखाई दे रहा है। दिल्ली में चारों तरफ रंग और रोशनी है। दिल्ली विकास प्राधिकरण की आईटीओ पर स्थित 23 मंजिला इमारत से लेकर कुतुबमीनार तक को लाल, पीले, हरे रंग की झालरों से सजाया गया है। प्रगति मैदान में बने कन्वेंशन सेंटर यानी भारत मंडपम की गुलाबी रोशनी से नहाई तस्वीरें कई दिन से अखबारों में छप रही है। सो, चारों तरफ रंग है, रोशनी हैं, ऊंची-ऊंची दिवारें हैं, पाबंदियां हैं, अखबारों में ट्रैफिक एडवाइजरी के पूरे पूरे पन्नों के विज्ञापन हैं, सुरक्षा उपायों के बारे में बड़ी बड़ी खबरें हैं और इन सबके बीच जो एक चीज नदारद है वह है इस बैठक का एजेंडा।

अखबारों में विज्ञापन देकर यह बताया गया है कि कहां कहां क्या बंद रहेगा। स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। सरकारी व निजी कार्यालय या तो बंद हैं या कर्मचारियों को घर से काम करने को कहा गया है। खबरों में यह बताया जा रहा है कि सुरक्षा के कैसे बंदोबस्त किए गए हैं। लड़ाकू विमान तैनात किए गए हैं, ड्रोन और पतंग दोनों उड़ाने पर पाबंदी है, एक लाख 30 हजार जवान तैनात किए गए हैं, केमिकल हमले से निपटने के लिए उपाय किए गए हैं, हमला होने की स्थिति में नेताओं के लिए सेफ हाउस बनाए गए हैं आदि आदि। सोचें, सुरक्षा इंतजामों की इस तरह की जानकारी कैसे मीडिया को दी जा सकती है? वैसे भी मीडिया को इसकी जानकारी देने की जरूरत भी क्या है? सेफ हाउस बना है या केमिकल हमले से निपटने के उपाय किए गए हैं यह बताने से नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित हुई है या उनके लिए खतरा पैदा कर दिया गया है?

बहरहाल, लगातार इतनी खबरें पढऩे और देखने के बाद एक आम आदमी का सवाल था कि जी-20 की बैठक में क्या होगा? ये नेता क्या करेंगे? यह बहुत मासूम और ईमानदार सवाल है, जिसका जवाब ज्यादा अखबारों में या मीडिया में नहीं मिल रहा है। हिंदी अखबारों में तो एजेंडे को लेकर खबर पूरी तरह से नदारद है। वहां सिर्फ तैयारियों के बारे में जानकारी दी जा रही है। कैसे दिल्ली सज रही है और कैसे दिल्ली के लोग ट्रैफिक में फंसे हैं या घरों में बंद हैं, सुरक्षा के क्या इंतजाम हैं, कौन नेता किस फाइव स्टार होटल में ठहरेगा? उनके खाने के लिए क्या क्या बनाया जा रहा है।

सोचें, क्या किसी भी सभ्य (विकसित देश में तो कतई नहीं) देश में इतने बड़े कूटनीतिक आयोजन को लेकर क्या इतनी हलकी रिपोर्टिंग हो सकती है? लेकिन भारत में हो रही है और इसलिए हो रही है क्योंकि सत्ता प्रतिष्ठान की ओर से मीडिया को यही फीड किया जा रहा है। उनको यही छापने और दिखाने के लिए दिया जा रहा है। इस तरह की खबरों के दो फायदे हैं। पहला, देश के लोगों को लगता है कि मोदीजी कितना बड़ा काम कर रहे हैं। वे नहीं होते तो ऐसा काम मुमकिन नहीं था। और दूसरा, असली एजेंडे से ध्यान भटका रहता है। लोग यह सोचते ही नहीं हैं कि इस बैठक का मकसद क्या था और क्या हासिल हुआ।

जी-20 शिखर सम्मेलन का एजेंडा- वन अर्थ, वन फैमिली और वन फ्यूचर है। दो दिन के सम्मेलन के पहले दिन यानी नौ सितंबर को पहले सत्र में वन अर्थ पर बात होगी और दूसरे सत्र में वन फैमिली पर चर्चा होगी और अगले दिन यानी 10 सितंबर को वन फ्यूचर पर चर्चा के साथ सम्मेलन का समापन होगा। लेकिन यह तो मोटी थीम है। इसमें देश के लिए क्या है और आम लोगों को क्या हासिल होने वाला है? कुछ सुधी लोगों का यह भी सवाल था कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग क्यों नहीं आ रहे हैं? इन सवालों का कोई जवाब नहीं है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जिनफिंग के बारे में सवाल को यह कह कर खारिज कर दिया कि इससे भारत पर कोई फर्क नहीं पड़ता है और पहले भी ऐसा होता रहा है। हालांकि 2012 के बाद यह पहली बार है, जब शी जिनफिंग जी-20 की किसी बैठक में शामिल नहीं हुए हैं। वे इससे पहले की हर बैठक में गए हैं और इस बार बिना कोई कारण बताए बैठक में शामिल नहीं हुए। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन करके अपने नहीं आने की सूचना देने की भी जरूरत नहीं समझी।

सो, कुल मिला कर इस वैश्विक, कूटनीतिक आयोजन के एजेंडे और मुख्य बातों की चर्चा गौण है। इसके बजाय ऑप्टिक्स यानी दिखावे की चर्चा ज्यादा है। बहुत कम लोग जानते हैं कि जी-20 देश के अलग अलग कई मंत्रालयों की बैठक हुई, जिनके बाद साझा बयान या प्रस्ताव नहीं जारी हो सका। शिखर सम्मेलन के एजेंडे को लेकर भी गुरुग्राम से सटे आईटीसी के ग्रैंड भारत होटल में सभी सदस्य देशों के शेरपा चार दिन तक बैठक करते रहे लेकिन साझा प्रस्ताव पर सहमति नहीं बन पाई। ध्यान रहे इससे पहले जी-20 की कोई भी बैठक बिना साझा बयान के समाप्त नहीं हुई है। इसलिए भारत चाहता है कि आम सहमति से एक साझा बयान जारी हो। लेकिन चीन और रूस के अड़ेंगे की वजह से साझा बयान पर सहमति नहीं बन पा रही है। दोनों देश यूक्रेन से चल रहे युद्ध को लेकर लिखे गए पैराग्राफ से सहमत नहीं हैं।

इतना ही नहीं मसौदा दस्तावेज में जलवायु परिवर्तन को लेकर विकासशील देशों को वित्तीय मदद देने और कर्ज भुगतान को लेकर लिखी गई भाषा पर भी सहमति नहीं बन पाई है। इसके साथ ही भारत की ओर से प्रस्तावित मसौदा दस्तावेज की कई और बातों पर चीन ने असहमति जताई है। इस ड्राफ्ट पर सहमति बनाने के लिए अब भी वार्ता हो रही है लेकिन अगर सहमति नहीं बनती है तो यह दिक्कत वाली बात होगी। पहले ही मंत्री स्तरीय बैठक में साझा बयान नहीं जारी हो पाने की वजह से इस सम्मेलन की कूटनीतिक सफलता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

अभी तक जिस एक बड़ी चीज पर सहमति बनी है वह अफ्रीकी संघ को जी-20 में शामिल करने पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका प्रस्ताव दिया था लेकिन दो दिन पहले चीन के विदेश मंत्रालय ने इसका श्रेय लिया। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि चीन पहला देश है, जिसने अफ्रीकी संघ को जी-20 का पूर्णकालिक सदस्य बनाने का समर्थन किया है। रूस भी इसके समर्थन में है। गौरतलब है कि जी-20 में 19 देश और यूरोपीय संघ सदस्य हैं। यूरोपीय संघ के बाद अफ्रीकी संघ दूसरा समूह होगा, जिसे इसका सदस्य बनाया जाएगा।

सब्जियों के छिलके फेंकने की बजाय इन तरीकों से करें इस्तेमाल, होंगे कई फायदे

रोजाना रसोई से सब्जी के ढेर सारे छिलके निकलते हैं, जिसे अमूमन हम कूड़े वाली बाल्टी में फेंक देते हैं।हालांकि, सब्जी के छिलके को अन्य कामों में इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन जानकारी न होने के कारण ज्यादातर लोग इन्हें कूड़ेदान में फेंक देते हैं।ऐसे में आइये आज हम आपको सब्जियों के छिलके को कूड़ेदान में फेंकने की बजाय उनके इस्तेमाल करने के कुछ बेहतरीन तरीके बताते हैं।

खीरे के छिलकों का इस्तेमाल कई चीजों में किया जा सकता है।अगर आपको डिटॉक्स वॉटर पसंद है, तो आप खीरे के छिलकों से इसे बना सकते हैं।इसके लिए एक जार में कुछ खीरे के छिलके और उसमें पानी डालें। इसे करीब 5 दिनों के लिए भिगोएं, फिर छिलके को हटा दें और बचे हुए पानी का सेवन करें।इसके अलावा आप चींटियों को भगाने के लिए अपने पौधों के चारों ओर खीरे के छिलके भी रख सकते हैं।

प्याज के छिलकों का इस्तेमाल ऊन के लिए प्राकृतिक रंग बनाने के लिए किया जा सकता है।इसके लिए पानी में प्याज के छिलके डालकर इसे धीमी आंच पर उबालें, फिर इसमें ऊन डालें और फिर इसे सूखा लें।आप प्याज के छिलके का इस्तेमाल करके पैर की ऐंठन को भी ठीक कर सकते हैं।इसके लिए प्याज के कुछ छिलकों को पानी में 15-20 मिनट तक उबालें, फिर इसे छानकर रात को सोने से पहले चाय की तरह पीये।

सगाई के कुछ ही दिन बाद महिला से बलात्कार कर की हत्या, शरीर पर मिले चाकू के निशान

यादगीर ,(एजेंसी)। कर्नाटक के यादगीर जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला के साथ उसकी सगाई के कुछ दिन बाद बलात्कार कर उसकी हत्या कर दी गई। पीड़िता की पहचान मुदनाल टांडा निवासी सविता राठौड़ (35) के रूप में हुई है। पीड़िता की सगाई हो चुकी थी और जल्द ही उसकी शादी होने वाली थी। हालांकि पुलिस ने एक संदिग्ध सचिन को हिरासत में ले लिया है, लेकिन उनका मानना है कि यह सामूहिक बलात्कार का मामला हो सकता है। घटना 9 सितंबर को हुई जब पीड़िता कांचागराहल्ली क्रॉस स्थित अपने खेत में गई थी। ग्रामीणों ने सविता को उसकी छाती और कान पर चाकू से वार के निशान के साथ पाया और उसे तुरंत कलबुर्गी के एक अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस ने कहा कि सोमवार को पीड़िता ने दम तोड़ दिया। प्रारंभिक जांच से पता चला कि सविता अनाथ थी और वह अपने दिव्यांग भाई के साथ रह रही थी। फिलहाल मामले की जांच चल रही है।

दीपावली से पहले प्रदेश की सडक़ें हों गड्ढामुक्त : मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश की सडक़ों के सुधार कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आगामी नवम्बर माह में दीपावली से पहले प्रदेश की सडक़ों को गड्ढामुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस वर्ष मॉनसून की स्थिति असामान्य है। आने वाले दिनों में कई जिलों में लगातार बारिश की सम्भावना है। इसे ध्यान में रखते हुए नवम्बर माह में दीपावली से पूर्व प्रदेशव्यापी सडक़ गड्ढामुक्ति का अभियान चलाया जाए। जहां बरसात की स्थिति हो वहां, बोल्डर डालकर रोलर चलाकर आवागमन सुगम किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण, एन0एच0ए0आई0, मण्डी परिषद, सिंचाई, ग्राम्य विकास, पंचायती राज, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास, आवास, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आदि विभागों की करीब 04 लाख किलोमीटर सडक़ें प्रदेश में हैं। हर एक सडक़ पर चलना आम आदमी के लिए सुखद अनुभव वाला हो, यह हम सभी की जिम्मेदारी है।

झारखंड हाईकोर्ट का निर्देश, चिटफंड कंपनियों में निवेशकों के डूबे पैसे लौटाने के लिए 45 दिनों में हाई लेवल कमेटी बनाए सरकार

रांची ,(एजेंसी)। झारखंड हाईकोर्ट ने चिटफंड घोटाले में निवेशकों के डूबे पैसे को लौटाने के लिए राज्य सरकार को 45 दिनों के भीतर कमेटी बनाने का निर्देश दिया है। यह निर्देश सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट ने नन बैंकिग अभिरक्षा निवेशक सुरक्षा समिति समेत अन्य की याचिकाओं की सुनवाई करते हुए दिया।

कोर्ट ने कहा कि सरकार इसके लिए 45 दिनों में नोटिफिकेशन जारी करे। हाईकोर्ट ने कहा है कि यह हाई लेवल कमेटी तीन सदस्यीय होगी और इसकी अध्यक्षता हाईकोर्ट के रिटायर्ड चीफ जस्टिस करेंगे। इसमें सेक्रेटरी बोर्ड ऑफ रेवेन्यू तथा सीबीआई के डीआइजी रैंक वाले पदाधिकारी भी होंगे।

यही कमेटी चिटफंड कंपनियों की ओर से छोटे निवेशकों के गबन किए गए पैसे को लौटाने का प्रयास करेगी। मामले की अगली सुनवाई 8 नवंबर को होगी।

देश के यह पांच राज्य आत्महत्या के मामले में सबसे आगे!

कोलकाता, एजेंसी। देश में आत्महत्या के 50 प्रतिशत से अधिक मामले पांच प्रमुख राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में दर्ज किए जाते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2021 में देश में आत्महत्याएं के मामलों की कुल संख्या 1,64,033 थी। एनसीआरबी रिपोर्ट ने अगस्त 2022 में इस चौंकाने वाले डेटा का खुलासा किया। सोलास नामक एक गैर-लाभकारी गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) ने यहां एक मीडिया सम्मेलन के दौरान भारत सरकार के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि आंकड़े चिंताजनक हैं, 2021 में देश में दर्ज की गई आत्महत्याओं में 7.2 प्रतिशत की चिंताजनक वृद्धि हुई है और कुल संख्या 1,64,033 मामलों तक पहुंच गई है।

इन दुखद घटनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा मुख्य रूप से पांच राज्यों, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में दर्ज किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है, कुल मिलाकर, सभी आत्महत्याओं के 50.4 प्रतिशत मामले देश के इन पांच राज्यों में दर्ज किए गए।

नई दिल्ली स्थित एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, आत्महत्या कई कारकों से हो सकती है, जैसे किसी के पेशे या करियर से संबंधित मुद्दे, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक संघर्ष, मानसिक स्वास्थ्य विकार, शराब की लत, वित्तीय असफलताएं, क्रोनिक दर्द, और भी बहुत कुछ। सोलास संकटग्रस्त लोगों को परामर्श देकर आत्महत्या से निपटने का प्रयास कर रहा है। इसने कहा कि एनसीआरबी केवल पुलिस को रिपोर्ट किए गए मामलों से आत्महत्याओं के बारे में जानकारी इकट्ठा करता है। आत्महत्या के मामलों से निपटने के लिए काम कर रहे गैर सरकारी संगठनों और विशेषज्ञों का मानना है कि आत्महत्या के विचार वाले व्यक्ति अपने जीवन को समाप्त करने की इच्छा के बजाय अपने दर्द से राहत चाहते हैं।

प्रसिद्ध मनोचिकित्सक जय रंजन राम ने रविवार को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के वार्षिक समारोह को चिह्नित करने के लिए लाइफलाइन फाउंडेशन के सोलास का अनावरण किया, जो आत्महत्या से बचे लोगों और उनके परिवारों के लिए एक नई सहायता समूह पहल है। यहां प्रेस क्लब, कोलकाता में अनावरण कार्यक्रम में एक पैनल चर्चा भी हुई, जिसमें किसी प्रियजन की आत्महत्या के परिणामस्वरूप हुए आघात से निपटने में लोगों की मदद करने में सहायता समूहों की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया। लाइफलाइन फाउंडेशन की ओर से संस्थापक और निदेशक सुक्षम सिंह ने कहा कि आत्महत्या की प्रवृत्ति से जूझ रहे व्यक्ति संगठन के अनुभवी स्वयंसेवकों के साथ अपनी भावनाओं को खुलकर साझा कर सकते हैं।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का पूरे विश्व में होगा लाइव प्रसारण, दुनिया में मनेगा दीपोत्सव

अयोध्या ,(एजेंसी)। विश्वहिंदू परिषद के देश भर के शीर्ष पदाधिकारी दो दिन से अयोध्या में जुटे हैं। विहिप की केंद्रीय टोली की बैठक में रविवार को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारियों पर चर्चा की गई, महोत्सव को भी ऐतिहासिक बनाने पर मंथन हुआ। जिस दिन रामलला अपने नए मंदिर में विराजेंगे उस दिन पूरी दुनिया में दीपोत्सव मनेगा। मठ-मंदिर, घर-घर में अनुष्ठान होगा।

पूरा विश्व महोत्सव का साक्षी बन सके इसलिए लाइव प्रसारण की व्यवस्था की जाएगी। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि श्रीराम प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम को संपूर्ण विश्व में आनंदोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। देश ही नहीं विदेशों में निवास करने वाले भी इस महोत्सव में सहभागी हों।

भविष्य में नहीं रहेगा हिंदुत्व, विदेशी चैनल पर आईआईटी दिल्ली की प्रोफेसर के बयान से मचा हंगामा

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। आईआईटी दिल्ली की एक प्रोफेसर के हिंदुत्व को लेकर आपत्तिजनक बोल सामने आए हैं। आईआईटी दिल्ली की प्रोफेसर ने एक विदेशी न्यूज चैनल के साथ बातचीत में कहा है कि भविष्य का भारत हिंदुत्वविहीन होगा। प्रोफेसर का वीडियो वायरल होने के बाद इस पर विवाद बढ़ गया है।आईआईटी दिल्ली में सोशल साइंस डिपार्टमेंट की असोसिएट प्रोफेसर दिव्या द्विवेदी ने जी20 से जुड़े एक चर्चा के दौरान यह विवादित बातें कहीं। उन्होंने फ्रांस-24 से कहा, 'दो भारत हैं, एक भारत पुराना है, जिसमें बहुसंख्यक आबादी को दबाने वाली जातिवादी व्यवस्था है। फिर एक भविष्य का भारत है जिसमें जातिवादी शोषण और हिंदुत्व नहीं होगा। यह वह भारत है जिसे अभी तक प्रस्तुत नहीं किया गया लेकिन इंतजार कर रहा है, दुनिया को अपना रूप दिखाने की चाहत है।' फ्रांस-24 के पत्रकार ने जब भारत की आर्थिक प्रगति की बात की और कहा कि एक रिक्शाचलाने वाले को भी टेक्नॉलजी विकास का लाभ मिला है, तो द्विवेदी ने कहा कि इस तरह की बातें मीडिया ने गढ़ी हैं। उन्होंने कहा, 'भारत 3000 सालों के जातिगत नस्लीय व्यवस्था से बना है, जहां ऊंची जाति के 10 फीसदी लोग 90 फीसदी शक्तिशाली पदों पर काबिज रहे यह आज भी जारी है। 'जब यह पूछा गया कि क्या इस तरह की असमानता त्र20 देशों नहीं है, द्विवेदी ने कहा भारत में यह नस्लीय उत्पीड़न, बहिष्कार और हिंदू धर्म के रूप में एक फर्जी प्रतिनिधित्व से जटिल हैं। द्विवेदी के बयान पर सोशल मीडिया पर घमासान छिड़ गया। बहुत से 'एक्स' यूजर्स ने इसे सनातन धर्म का अपमान बताते हुए आरोप लगाया कि वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के खिलाफ नफरत फैला रही हैं।

बंद का असर : एयरपोर्ट से घर वापस जाने के लिए पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले को पकडऩी पड़ी बस

बेंगलुरु ,(एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान अनिल कुंबले भी सोमवार को बेंगलुरु में ट्रांसपोर्टरों के बंद से प्रभावित हुए। इतना ही नहीं उन्हें एयरपोर्ट से पब्लिक ट्रांसपोर्ट से घर जाने का ऑप्शन चुनना पड़ा। सोशल मीडिया पर अनिल कुंबले की एक तस्वीर को खूब चर्चा में है। ये तस्वीर खुद कुंबले ने साझा की है जिसमें वह बस में बैठे हुए नजर आ रहे हैं। भारतीय क्रिकेट फैंस भी यह देखकर हैरान रह गए और सोचने को मजबूर हो गए कि आखिर ऐसा क्या हुआ जो कुंबले को बस में ट्रेवल करना पड़ रहा है।

कुंबले एयरपोर्ट से अपने घर बनाशंकरी इलाके के लिए बेंगलुरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) की बस में चढ़े और अपनी यात्रा की एक तस्वीर अपने 'एक्स' अकाउंट पर साझा की। बस में यात्रा करते दिख रही तस्वीर के कैप्शन में उन्होंने लिखा, एयरपोर्ट से आज बीएमटीसी से घर वापसी की यात्रा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच और दुनिया के सबसे बेहतरीन स्पिनरों में से एक की सादगी के भाव ने लोगों को प्रभावित किया। इससे शटडाउन को राष्ट्रीय स्तर पर भी तवज्जो मिली।पोस्ट तुरंत वायरल हो गई। इसे 419,000 से ज्यादा व्यूज और 15,000 लाइक्स मिल चुके हैं। प्रशंसकों ने कहा है कि कुंबले का यह कदम बेंगलुरु की जनता के लिए सबसे अच्छी प्रेरणा है। शक्ति योजना या महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा का विरोध करते हुए कर्नाटक में निजी ट्रांसपोर्टरों के संघ द्वारा किया गया बंद का आह्वान राज्य भर में विशेषकर बेंगलुरु में सफल माना गया।

दिल्ली-यूपी सहित 21 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली समेत देश के 21 राज्यों में मौसम का मिजाज बदल गया। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश समेत पश्चिम से लेकर पूर्व और उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक भारी बारिश हुई। इस दौरान यूपी में रेल और सडक़ यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ।

वहीं, उत्तराखंड में भूस्खलन से बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया।इसके अलावा राजस्थान में झांसी मंडल के हेतमपुर-धौलपुर के बीच झांसी-दिल्ली ट्रैक धंस गया।

ट्रेक के नीचे से गिट्टी और मिट्टी धंस जाने के बाद ट्रेनों को जहां-तहां रोक दिया गया। इसके चलते करीब साढ़े चार घंटे तक रेल यातायात प्रभावित रहा। वहीं, वंदेभारत, शताब्दी, गतिमान और राजधानी समेत 20 ट्रेनें घंटों लेट रहीं।

हिमाचल प्रदेश के तीन प्रोजेक्टों सहित देश को आज 90 परियोजनाएं सौंपेंगे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

केलांग, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को देश के सीमांत इलाकों में बीआरओ द्वारा निर्मित 90 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इनमें हिमाचल की तीन परियोजनाएं भी शामिल हैं। इन 90 परियोजनाओं पर कुल 2941 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। मंगलवार को यह समारोह जम्मू के देवक ब्रिज पर आयोजित किया जाएगा।

यहीं से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इन सभी 90 परियोजनाओं का वर्चुअली उद्घाटन करेंगे। बीआरओ ने इन परियोजनाओं का निर्माण उत्तरी, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के दस सीमावर्ती राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में किया है। बिश्नाह-कौलपुर-फूलपुर रोड पर 422.9 मीटर लंबे आरसीसी देवक ब्रिज के साथ मनाली-लेह सामरिक मार्ग पर लाहुल के बिलिंग नाले में बीआरओ के 70 आरसीसी द्वारा निर्मित ब्रिज का भी उद्घाटन होगा।

38 मीटर लंबा यह ब्रिज मनाली-लेह सडक़ मार्ग पर सेना के लिए बेहद फायदेमंद सबित होगा। रक्षा मंत्री लद्दाख में बनने वाले न्योमा एयरफील्ड का ई-शिलान्यास भी करेंगे। पिछले दो वर्षों में बीआरओ ने 5100 करोड़ रुपए की लागत से रिकार्ड 205 बुनियादी ढांचा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 12 सितंबर को 2941 करोड़ रुपए की लागत से 90 परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

इससे पहले 2021 में 2229 करोड़ रुपए से 102 परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की गई थीं।

रक्षा मंत्री 22 सडक़ों, 63 पुलों, अरुणाचल प्रदेश में नेचिफू सुरंग, पश्चिम बंगाल में दो हवाई क्षेत्रों का उद्घाटन भी करेंगे। इन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का निर्माण चुनौतीपूर्ण मौसम की स्थिति में अधिकांश दुर्गम इलाकों में किया गया है। विशेष रूप से बीआरओ ने इन महत्त्वपूर्ण रणनीतिक परियोजनाओं का निर्माण रिकार्ड समय सीमा में पूरा किया और इनमें से कई परियोजनाओं का निर्माण अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके एक ही कार्य सत्र में किया गया है।

इन परियोजनाओं में से 11 जम्मू-कश्मीर में, 26 लद्दाख, 36 अरुणाचल प्रदेश, पांच मिजोरम, तीन हिमाचल प्रदेश, दो-दो सिक्किम, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में तथा एक-एक नागालैंड, राजस्थान और अंडमान में बनाई गई है। बीआरओ 70 आरसीसी के ओसी मेजर रवि शंकर ने बताया कि बिलिंग ब्रिज के वर्चुअल उद्घाटन को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। (एचडीएम)

ममता बनर्जी ने मंत्रिमंडल में किया फेरबदल, बाबुल सुप्रियो का विभाग बदला

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ने मंत्रिमंडल में फेरबदल कर दिया है। उन्होंने बाबुल सुप्रियो का विभाग बदल दिया है। बाबुल को पर्यटन विभाग से हटाकर आईटी और नवीकरणीय ऊर्जा विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एक अन्य गायक-राजनेता और तकनीकी शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग के राज्य मंत्री इंद्रनील सेन को पर्यटन विभाग का स्वतंत्र प्रभार दिया गया है। वन मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक को सार्वजनिक उद्यम और औद्योगिक पुनर्निर्माण विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। दुबई और स्पेन की यात्रा पर रवाना होने की पूर्व संध्या पर ममता बनर्जी ने यह फेरबदल किया।

इससे पहले ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर बदले की राजनीति का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर महात्मा गांधी की जयंती पर राजघाट पर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति दी गई तो उनकी पार्टी के लोग राजघाट पर प्रार्थना करेंगे। ममता ने कहा कि केंद्र को बंगाल की बकाया मनरेगा राशि जारी करनी चाहिए, यह बेहद गरीब लोगों को दी जानी है।

उन्होंने भतीजे और टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी को प्रवर्तन निदेशालय की ओर से भेजे गए समन की भी निंदा की और इसे एक युवा नेता को डराने-धमकाने की कोशिश बताया। अपनी विदेश यात्रा पर ममता ने कहा कि मैं 5 साल बाद विदेश जा रही हूं। पहले विदेश यात्रा के लिए कोई अनुमति नहीं दी गई थी, जबकि मेरे पास कई निमंत्रण थे। उन्होंने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी भी बदले की राजनीति से प्रेरित प्रतीत होती है।

अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को बताया कि वह केंद्रीय एजेंसी के समन पर 13 सितंबर को ईडी के सामने पेश होंगे। उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी ने पूछताछ के लिए 13 सितंबर को पेश होने के लिए नोटिस दिया था।

लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी ने देवघर के बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की

रांची ,(एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने आज देवघर के बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की।पूजा कर बाबा बैद्यनाथ मंदिर से निकलने के बाद श्री यादव ने कहा कि उन्होंने बाबा के दरबार में माथा टेका है और देश दुनिया सबके लिए प्रार्थना की कि सबका भला हो।उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के कल ही देवघर हवाई अड्डे पर पहुंचने पर राजद के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़े , गाजे बाजे के साथ उनका स्वागत किया था।

जी-20 शिखर सम्मेलन की मेज़बानी के बाद भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल : रणइंदर सिंह

चंडीगढ़ ,(एजेंसी)। भारत की ओर से आयोजित किए गए दो दिवसीय जी-20 शिखर संमेलन के सफलतापूर्वक समाप्त हो जाने के बाद आज देश का नाम दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है, जो सभी भारतीयों के लिए बहुत ही सम्मान की बात है। उपरोक्त शब्दों का प्रगटावा भाजपा के सीनियर नेता युवराज रणइंदर सिंह ने यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए किया। देश की राजधानी नयीं दिल्ली में चले इस 2 दिवसीय संमेलन की समाप्ति के पश्चात उन्होंने कहा की प्रधान सेवक नरेंद्र मोदी जी के योग्य नेत्रत्व, दूर अंदेशी सोच, और व्यापक कूटनीती की बदौलत ही यह सब संभव हुआ की आज भारत का नाम दुनिया के चोटी के मुल्कों की कतार में लिया जाने लगा है।इस मौके उन्होंने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के विदेशी दौरों पर सवाल उठाने वाले सभी विरोधी पक्षों को आड़े हाथों लेते हुए जवाब दिया कि यह उन्ही विदेशी दौरों का ही कमाल है की आज विश्व ताकतें कहलाने वाले अमेरिका, आस्ट्रेलिया, कैनेडा एवं यूरपियन यूनियन के मुल्क भी भारत आकर यहाँ की ताकत का लोहा मानने लगे हैं ।

जेट एयरवेज के फाउंडर नरेश गोयल की पीएमएलए कोर्ट ने बढ़ाई कस्टडी, 14 तक ईडी की हिरासत में भेजा

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को 538 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी और मनी-लॉन्ड्रिंग के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद सोमवार को विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया। जहां अदालत ने अब 14 सितम्बर तक नरेश गोयल को ईडी की कस्टडी में भेज दिया है।

केनरा बैंक से 538 करोड़ रुपये की कथित बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने शुक्रवार (1 सितंबर) की देर रात गोयल को गिरफ्तार किया गया था। जिसके बाद 74 वर्षीय गोयल को शनिवार को मुंबई में विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया था। जहां ईडी ने उनकी हिरासत की मांग की थी और अदालन ने उन्हें 11 सितंबर तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया था।

इससे पहले, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिमांड की मांग करते हुए अदालत को बताया था कि गोयल ने उधार लिए गए पैसे का इस्तेमाल व्यक्तिगत लाभ और ऐशो-आराम में किया। इसके अलावा लोन राशि का दुरुपयोग नाजायज उद्देश्यों के अलावा फर्नीचर, परिधान और आभूषण जैसी चीजें खरीदने के लिए किया गया। जेआईएल के फंड का इस्तेमाल गोयल ने अपने आवासीय कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करने और उनकी बेटी के स्वामित्व वाली एक उत्पादन कंपनी के परिचालन खर्चों को पूरा करने के लिए भी किया गया। इसके अलावा विभिन्न व्यक्तियों, संस्थाओं को पेशेवर और परामर्श शुल्क के भुगतान की आड़ में भी धन की हेराफेरी का दावा किया गया है।

जेट एयरवेज, नरेश गोयल, उनकी पत्नी अनीता गोयल और कंपनी के कुछ पूर्व अधिकारियों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला केनरा बैंक से 538 करोड़ रुपये के कथित धोखाधड़ी से जुड़ा है। इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने केनरा बैंक की शिकायत पर गोयल दंपती और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। ईडी ने मामले की जांच सीबीआई की प्राथमिकी के आधार पर शुरू की थी। सीबीआई ने बैंक धोखाधड़ी मामले में गोयल, उनकी पत्नी अनिता और कंपनी के कुछ पूर्व अधिकारियों को आरोपी बनाया है।बैंक ने सीबीआई को शिकायत की थी कि उसने जेट एयरवेज लिमिटेड (जेएएल) को 848.86 करोड़ रुपये का कर्ज दिया था, जिसमें से 538.62 करोड़ रुपये अब भी बकाया हैं।

हनुमान मंदिर हरिपुर से तीन कैमरे और दानपात्र चोरी

विकासनगर। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत चोरी की वारदातें लगातार बढ़ती जा रही हैं। लेकिन पुलिस चोरों पर नकेल कसने में पूरी तरह से नाकाम रही है।

चोरों ने हरिपुर हरबर्टपुर में हनुमान मंदिर से दानपात्र, तीन सीसीटीवी कैमरे और पानी का नल भी चुरा लिया। मंदिर समिति से जुडे लोगों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया है। हरबर्टपुर चौकी क्षेत्र में हरिपुर रोड पर हनुमान मंदिर है। चोरों ने आठ सितंबर की मध्य रात्रि को मंदिर के ताले तोड़कर मंदिर में रखे दानपात्र जिसमें हजारों रुपये की नगदी थी चुरा लिया। यही नहीं चोरों ने मंदिर में लगे तीन सीसीटीवी कैमरे और पानी का नल भी चुरा लिया। सुबह जब मंदिर समिति से जुडे लोग मंदिर पहुंचे तो दानपात्र, सीसीटीवी कैमरे व पानी का नल गायब मिला।

कांग्रेस का दावा, मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करना है संसद के विशेष सत्र का उद्देश्य

मुंबई ,(एजेंसी)। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने सोमवार को दावा किया कि संसद का आगामी विशेष सत्र 'देश को बांटने और मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने' के एजेंडे के साथ बुलाया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि 18-22 सितंबर के सत्र के लिए अब तक कोई एजेंडा घोषित नहीं किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने विपक्ष और संसदीय मामलों की समिति सहित किसी से भी पूछे बिना यह सत्र बुलाया है। उन्होंने पूछा, कोविड-19 संकट, नोटबंदी, मणिपुर हिंसा के दौरान ऐसा कोई विशेष सत्र नहीं बुलाया गया, तो अब क्यों? पटोले ने यह भी आरोप लगाया कि सत्र का उद्देश्य देश को विभाजित करना और मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने और इसे केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने की मोदी सरकार की योजनाओं को आगे बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि मुंबई वैश्विक महत्व का शहर है, देश का वित्तीय केंद्र है, राज्य और राष्ट्र का गौरव है, और भाजपा पिछले नौ वर्षों से व्यवस्थित रूप से इसके महत्व को कम करके इस पर नजर गड़ाए हुए है।

उन्होंने कहा, यह लंबे समय से चल रहा है ... ग्लोबल फाइनेंशियल सेंटर को गुजरात ले जाया गया, हीरा उद्योग को वहां स्थानांतरित कर दिया गया, एयर इंडिया मुख्यालय को भी हटा दिया गया है। अब, ऐसा कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र से 'मुंबई को अलग' करने की बड़ी साजिश के तहत बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को स्थानांतरित करने की योजना है।पटोले ने यह भी तर्क दिया कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी)-कांग्रेस-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की महा विकास अघाड़ी सरकार के शासन के दौरान यह सब संभव नहीं था, यही कारण था कि इसे केंद्र सरकार और तत्कालीन राज्यपाल की मदद से गिरा दिया गया था।उन्होंने कहा, हालांकि, जब से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार सत्ता में आई है, मुंबई और महाराष्ट्र की कई बड़ी परियोजनाओं को गुजरात में हाइजैक कर लिया गया है। न तो शिंदे और न ही उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने इस सबका विरोध करने की हिम्मत की। उन्होंने कहा कि अगर शिंदे-फडणवीस-अजित पवार में साहस है, तो उन्हें शहर और राज्य के लोगों को नुकसान पहुंचाकर सभी प्रमुख परियोजनाओं, संस्थानों और कार्यालयों को मुंबई से बाहर ले जाने के लिए प्रधानमंत्री से सवाल करना चाहिए।

जर्मनी ने पहली बार फीबा विश्व कप जीता, श्रोडर को एमवीपी से सम्मानित किया

मनीला, जर्मनी ने यहां सर्बिया को 83–77 से हराकर अपना पहला फीबा बास्केटबॉल विश्व कप खिताब जीता। डेनिस श्रोडर को टूर्नामेंट का सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) नामित किया गया।

पूरे विश्व कप में श्रोडर ने औसतन 17.6 अंक, 6.1 सहायता और 2 रिबाउंड हासिल करते हुए फाइनल में गेम–उच्च 28 अंक दिए। रिपोर्ट के अनुसार, फ्रांज वैगनर ने 19 अंक और सात रिबाउंड का योगदान दिया, जबकि जोहान्स वोइग्टमैन ने 12 अंक और आठ रिबाउंड जोड़े।

सर्बिया के लिए, अलेक्सा अव्रामोविक ने 21 अंकों के साथ स्कोरिंग का नेतृत्व किया, और बोगदान बोगदानोविक ने 17 अंकों और पांच सहायता के साथ स्कोरिंग में योगदान दिया। हालाँकि, निकोला मिलुटिनोव को संघर्ष करना पड़ा, अपने सभी चार प्रयास चूक गए और खेल को केवल दो अंक और चार सहायता के साथ समाप्त किया।

मॉल ऑफ एशिया एरेना सर्बिया के लिए एक घरेलू खेल जैसा महसूस हुआ, इसके लिए उनके उत्साही प्रशंसकों को धन्यवाद। हालाँकि, शुरुआत में ही चिंताएँ पैदा हो गईं जब ओग्जेन डोब्रिक को चोट लग गई और खेल शुरू होने के तीन मिनट बाद ही उन्हें कोर्ट छोडऩा पड़ा।

ऐतिहासिक रूप से, 21वीं सदी में पिछले पांच फाइनल में से प्रत्येक में, आधे समय तक आगे रहने वाली टीम विजयी हुई। लेकिन रविवार के फाइनल में हाफ टाइम तक दोनों टीमें 47 प्रयास किया था। इसका फायदा उठाते हुए जर्मनी 9–0 से आगे हो गया जब श्रोडर ने अपने तीन फ्री थ्रो में से दो को गोल में बदला। सर्बिया को आक्रामक चुनौतियों का सामना करना पड़ा, उसने क्वार्टर में केवल 10 अंक बनाए और अंतिम क्वार्टर में 12 अंक से पिछड़ गया।

हालाँकि, अव्रामोविक ने चौथे क्वार्टर में जलवा दिखाया। 28 वर्षीय गार्ड ने 16 अंक हासिल किए, जिससे सर्बिया को 1:21 शेष रहते हुए घाटे को केवल तीन अंक तक कम करने में मदद मिली।श्रोडर ने दबाव में लचीलेपन का प्रदर्शन करते हुए एक लेअप को अंजाम दिया और जर्मनी की जीत सुनिश्चित करने के लिए दो फ्री थ्रो फेंके।जर्मनी सभी आठ गेम जीतकर अपराजित रहा और विश्व ताज जीतने वाला चौथा यूरोपीय देश और कुल मिलाकर सातवां देश बन गया। यह पहली बार है जब 2006 में स्पेन का ग्रीस से सामना होने के बाद किसी देश ने अपने पहले ही फाइनल में फीबा विश्व कप का खिताब जीता।

अंकों पर बराबरी पर रहीं।

तीसरे क्वार्टर में एक महत्वपूर्ण क्षण आया जब अलेक्सा अव्रामोविक पर एक विवादास्पद फाउल का आह्वान किया गया क्योंकि उन्होंने आर्क के पीछे से श्रोडर के शॉट को रोकने का

कांस्य पदक का प्लेआफ हारे धीरज, तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में भारत को सिर्फ एक रजत

हर्मोसिलो (मैक्सिको), दो बार के ओलंपिक चैम्पियन किम वूजिन को 6 . 2 से हराकर उम्मीदें जगाने वाले धीरज बोम्मादेवरा अगले दो मैच हार गए और तीरंदाजी विश्व कप फाइनल से खाली हाथ लौटे ।

भारत ने टूर्नामेंट में एकमात्र रजत पदक जीता जो प्रथमेश जावाकर ने कंपाउंड वर्ग में दिलाया । विश्व कप में सत्र के आखिरी फाइनल में पांच सदस्यीय दल भेजने के बावजूद भारत की झोली में एक ही पदक आया ।

उदीयमान रिकर्व तीरंदाज धीरज ने दुनिया के दूसरे नंबर के तीरंदाज कोरिया के वूजिन को क्वार्टर फाइनल में हराया था । सेना का यह 22 वर्ष का तीरंदाज हालांकि कोरिया के ही ली वू सियोक से 1 . 7 (28.28, 27 . 30, 28 . 30, 28 . 29) हार गया । तीसरे स्थान के प्लेआफ मुकाबले में उन्हें मेडेलिन विश्व कप विजेता इटली के माउरो नेसपोली ने 6 . 5 (29 . 30, 27 . 27, 25 . 29, 27 . 26, 27 . 28) से हराया ।

विश्व कप फाइनल में पदक जीतने वाले जयंत तालुकदार एकमात्र पुरूष रिकर्व तीरंदाज हैं जिन्होंने 13 साल पहले एडिनबर्ग में यह कमाल किया था । डोला बनर्जी ने महिला रिकर्व वर्ग में दुबई में 2007 में स्वर्ण पदक जीता था। महिला रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी ने विभिन्न विश्व कप फाइनल में चार रजत पदक जीते हैं ।

यूएस ओपन: जोकोविच ने मेदवेदेव को हराकर ऐतिहासिक 24वां ग्रैंड स्लैम जीता

न्यूयॉर्क, नोवाक जोकोविच ने यहां फाइनल में डेनियल मेदवेदेव को सीधे सेटों में हराकर अपना चौथा यूएस ओपन और रिकॉर्ड 24वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीता।

दूसरे और तीसरे वरीय के बीच हुए मुकाबले में जोकोविच ने मेदवेदेव को 6–3, 7–6(5), 6–3 से हराया। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, जीत के साथ, 36 वर्षीय सर्बियाई ओपन युग में सबसे उम्रदराज यूएस ओपन पुरुष एकल चैंपियन बन गए।

इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन और फ्रेंच ओपन भी जीतने के बाद, जोकोविच एक सीजन में चार बार तीन ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले व्यक्ति बन गए।

जोकोविच ने बाद में कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां आपके साथ खड़ा होकर 24 स्लैम के बारे में बात करूंगा। मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह हकीकत होगी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, मुझे लगा कि मेरे पास एक मौका है, मेरे पास इतिहास के लिए एक मौका है, और अगर यह प्रस्तुत किया गया है तो इसे क्यों न लपक लिया जाए?

इस जीत ने मेदवेदेव से बदला लेने का भी संकेत दिया, जिन्होंने 2021 में सीधे सेटों में जोकोविच की गति को रोक दिया और 1969 में रॉड लेवर के बाद एक ही वर्ष में सभी चार ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले व्यक्ति बन गए।अपनी जीत के बाद, जोकोविच भी सोमवार को दुनिया के नंबर 1 स्थान पर लौट आएंगे।

विराट कोहली ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, दुनिया में ये कारनामा करने वाले बने दूसरे भारतीय बैटर

नई दिल्ली, टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच में इतिहास रच दिया। विराट कोहली ने 98 रन बनाते ही वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 13000 रन पूरे कर लिए। किंग कोहली ने ये बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।कोहली से पहले महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने ये कारनामा किया है। दुनिया में अब 5 बल्लेबाज हो गए हैं, जिन्होंने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में 13,000 रन पूरे किए।

वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए 13000 रन

दरअसल, भारत–पाक के बीच रिजर्व–डे के दिन विराट कोहली और केएल राहुल ने धमाकेदार अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान के गेंदबाजों की क्लास ली। विराट कोहली ने वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 13000 रन पूरे कर लिए हैं।विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ दमदार शतक जड़ा, जो कि उनके वनडे करियर का 47वां शतक रहा। किंग कोहली वनडे में 13000 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर ने ये कारनामा किया है। सचिन तेंदुलकर वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने कुल 18426 रन बनाए हैं। दूसरे नंबर पर श्रीलंका के दिग्गज कुमार संगकारा हैं, जिनके नाम 14234 रन दर्ज हैं।

फिल्मी दुनियां

सामंथा रुथ प्रभु और विजय देवरकोंडा की फिल्म कुशी ने की शानदार ओपनिंग

सामंथा रुथ प्रभु और विजय देवरकोंडा की जोड़ी को फैंस बहुत पसंद करते हैं. दोनों पहले साथ में महंती में नजर आ चुके हैं. इस फिल्म की सफलता के बाद सामंथा और विजय एक बार फिर साथ आए हैं. दोनों की फिल्म कुशी सिनेमाघरों में शुक्रवार को रिलीज हो गई है. सामंथा और विजय की लव स्टोरी को बहुत पसंद किया गया है और फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन सामने आ गया है. पहले दिन इस तेलुगू फिल्म ने अच्छा कलेक्शन किया है.

सामंथा और विजय की फिल्म तेलुगू और तमिल में रिलीज हुई है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक कुशी ने पहले दिन 16 करोड़ का बिजनेस किया है. ये कलेक्शन वीकेंड पर बढ़ सकता है. इस फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है.

कुशी की बात करें तो ये विपलव और आराध्या की कहानी है जो कश्मीर में छुट्टियां मनाने जाते हैं. जहां दोनों को एक–दूसरे से प्यार हो जाता है. उसके बाद दोनों की फैमिली दोनों को अलग करने में लग जाती हैं. अपने परिवार को गलत साबित करने के लिए विपलव और आराध्या शादी कर लेते हैं. शादी में दिक्कत तब आने लगती हैं जब दोनों के बीच मतभेद होने लगते हैं. जिसकी वजह से उनकी रोमांटिक दुनिया में कड़वे पल भी शामिल हो जाते हैं.

कुशी को शिव निर्वाना न डायरेक्ट किया है. इस फिल्म को हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में डब किया गया है. फिल्म में सामंथा और विजय के साथ जयाराम, सचिन खेड़ाकर, मुरली शर्मा, लक्ष्मी, रोहिणी समेत कई कलाकार अहम किरदार निभाते नजर आए हैं.सामंथा ने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया है. वह हाल ही में वेकेशन के लिए बाली गई थीं. उसके बाद इंडिया आकर उन्होंने अपनी फिल्म कुशी को प्रमोट किया. कुशी के म्यूजिकल कॉन्सर्ट में विजय और सामंथा ने रोमांटिक डांस किया था.

धीरज धूपर के साथ काम करने को लेकर एक्साइटेड हैं एक्ट्रेस अमनदीप सिद्धू

टीवी के पॉपुलर शो सौभाग्यवती भव: के नए सीजन में सिया का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस अमनदीप सिद्धू ने धीरज धूपर के साथ काम करने को लेकर उत्साह व्यक्त किया। उन्हें उम्मीद है कि शो को पहले सीजन की तरह ही सराहना मिलेगी।

शो के बारे में बात करते हुए, अमनदीप ने कहा: मैं सिया का किरदार निभा रही हूं, जिसमें जीवंतता और ताकत झलकती है। वह धार्मिकता के लिए खड़ी रहती है और गलत काम का डटकर विरोध करती है। मेरा पहला मकसद सिया को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करना और दर्शकों के साथ गहरा संबंध बनाना है। अपने को–एक्टर के लिए, नागिन फेम एक्ट्रेस ने कहा, धीरज के साथ यह मेरा पहला प्रोजेक्ट है, और मैं उम्मीद करती हूं कि दर्शक हमारी जोड़ी को पसंद करेंगे। उन्होंने सिया की भूमिका देने के लिए स्टार भारत का हार्दिक आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि हमारे शो को उतनी ही सराहना मिलेगी जितनी इसके पहले पार्ट को मिली थी। सौभाग्यवती भव: 26 सितंबर से स्टार भारत पर प्रसारित होगा।

आमिर खान और किरण राव की लापता लेडीज की रिलीज तारीख का ऐलान

आमिर खान और किरण राव दोबारा साथ आए हैं और दोनों के फिर से साथ आने की वजह भी खास हैं. आमिर और किरण ने जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत फिल्म लापता लेडीज के लिए फिर से हाथ मिलाया है. इस फिल्म का निर्देशन किरण राव कर रही हैं,

जबकि आमिर खान प्रोडक्शन्स के बैनर तले फिल्म बनाई जा रही है. ये 5 जनवरी 2024 को स्क्रीन पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है. बता दें, अपने निर्देशन की पहली फिल्म धोबी घाट के बाद किरण एक दशक से अधिक समय बाद फीचर फिल्म के साथ निर्देशक के रूप में वापसी कर रही हैं.

इस अपकमिंग फिल्म के निर्माताओं ने पहले इस कॉमेडी–ड्रामा की दुनिया की एक रोमांचक झलक दी थी, जो एक अनोखे प्लॉट, मजेदार डायलॉग्स और प्रतिभाशाली कलाकारों से सजी हुई है. फिल्म में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन मुख्य भूमिका में हैं.जबकि दर्शक इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, निर्माताओं ने आखिरकार फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है जो कि 5 जनवरी, 2024 है. ये फिल्म किरण राव के साथ आमिर खान की पार्टनरशिप को लेकर पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त हलचल मचा चुकी है.

लगातार घट रही गदर 2 की दैनिक कमाई, अब जवान से होगा मुकाबला

सनी देओल, अमीषा पटेल और उत्कर्ष शर्मा जैसे सितारों से सजी फिल्म गदर 2 ने अपनी रिलीज के पहले दिन से टिकट खिडक़ी पर गदर मचाया हुआ है।22 साल बाद आए गदर के सीक्वल को देखने के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है। फिल्म का सिनेमाघरों में रिलीज का यह चौथा हफ्ता चल रहा है और टिकट खिडक़ी पर गदर 2 अपनी पकड़ बनाए हुए है। हालांकि, अब फिल्म की दैनिक कमाई में गिरावट जारी है।

रिपोर्ट के अनुसार, गदर 2 ने रिलीज के 27वें दिन 2.80 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। इसी के साथ फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 508.97 करोड़ रुपये हो गया है।फिल्म ने दुनियाभर में 650 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है, वहीं भारत में फिल्म ने 500 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।इसमें सिमरत कौर, लव सिन्हा और मनीष वाधवा जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

ऑरेंज कलर का आउटफिट पहन इवेंट में पहुंचीं शहनाज गिल, तस्वीरें इंटरनेट पर मचा रहीं बवाल

एक्ट्रेस शहनाज गिल आए दिन अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर कर कयामत ढा देती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही धमाल मचाने लग जाता है। बता दें कि एक्ट्रेस के पास इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। शहनाज जल्दी ही फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग में नजर आएंगी। इस फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान शहनाज अपनी बाकी स्टारकास्ट के साथ पहुंचीं। लेकिन सब लोगों की नजर शहनाज पर ही टिकी रह गई थी। पंजाबी और बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपने चुलबुले अंदाज से लोगों के बीच अपनी पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस शहनाज गिल आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म थैंक्यू फॉर कमिंग ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान एक्ट्रेस ने बेहद ही बोल्ड आउटफिट कैरी किया हुआ था। एक्ट्रेस शहनाज गिल के इस स्टाइलिश बैकलेस ऑरेंज कलर के गाउन पर से लोगों की नजरें हटने का नाम नहीं ले रही थी। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस शहनाज किलर अपने परफेक्ट बॉडी कर्व्स फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। कैमरे के सामने शहनाज गिल एक से बढक़र एक पोज देती हुई सिजलिंग पोज दे रही हैं। ओपन हेयर और न्यूड मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस ने शहनाज गिल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बताते चलें कि इस फिल्म की लीड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर हैं। ये मूवी 6 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो जाएगी। इस फिल्म की कहानी लड़कियों पर बेस्ड है, जिसमें दिखाया गया है कि वो अपनी लाइफ के फैसले खुद ले सकती हैं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com